RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर



"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 266 , बुधवार, 11 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com



डीएम-एसपी ने बापूधाम मोतिहारी स्टेशन का निरीक्षण कर यात्रियों की सुरक्षा और... 03



छठ पूजा को लेकर 102 एंबुलेंस सेवा अलर्ट श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम... 04

रामायण का दुनियाभर में डंका, 2 दिन में 220 करोड़ रुपये के पार पहुंची... 07

संक्षिप्त समाचार

छठ पूजा से पहले बिहार के घाटों की किलेबंदी

पटना (एजेंसी)। बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) ने छठ महापर्व (13 से 16 नवंबर) के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश सभी जिलों को दिए हैं। विभाग ने सभी घाटों और तालाबों के आसपास पटाखों की बिक्री एवं उन्हें फोड़ने पर प्रतिबंध लगाने तथा नहाय-खाय से सुबह के अर्घ्य तक निजी नावों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। विभाग की ओर से सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के



निर्देश पर जिलाधिकारियों (डीएम) को खतरनाक घाटों की पहचान कर वहां बैरिकेडिंग कराने तथा पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मियों और स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है। विभाग ने 13 से 16 नवंबर तक छठ घाटों के आसपास पटाखों की बिक्री और उन्हें फोड़ने पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही नहाय-खाय से सुबह के अर्घ्य तक निजी नावों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। बयान में कहा गया है, नदी घाटों पर प्रशिक्षित गोताखोरों, तैराकों, मोटरबोट और जीवनरक्षक उपकरणों की तैनाती अनिवार्य रूप से की जाए। चिकित्सा दल, एंबुलेंस और त्वरित चिकित्सा कार्रवाई दल (क्यूएमआरटी) को भी तैयार रखा जाए। घाटों पर इस बार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।

अजित पवार की मौत में तटकरे की भूमिका पर संदेह

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना नेता रामदास कदम ने महाराष्ट्र में हुए अजित पवार के विमान हादसे को लेकर नया दावा किया है। कदम ने इस हादसे को लेकर एनसीपी सांसद सुनील तटकरे की भूमिका पर संदेह जताया है। कदम ने सोमवार मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में कहा, वे (तटकरे) अपने करीब आने वाले लोगों को खत्म कर देते हैं। मुझे पहली बार पता चला है कि वे डिप्टी सीएम बनना



चाहते थे। ऐसे में शक पैदा होता है कि कहीं अजित पवार के विमान हादसे में उनकी कोई भूमिका तो नहीं थी। इसलिए इस एंगल से भी जांच होनी चाहिए। रायगढ़ से लोकसभा सांसद और एनसीपी नेता सुनील तटकरे ने रामदास कदम के बयान की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि वे आगे ऐसे आरोपों का जवाब नहीं देंगे, बल्कि जरूरत पड़ने पर कानूनी कार्रवाई करेंगे। **तटकरे बोले- अजित पवार हादसे की जांच होनी चाहिए-** तटकरे ने कहा कि कदम के आरोपों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाने के लिए इस्तेमाल की गई भाषा पर भी आपत्ति जताई। तटकरे ने कहा कि उन्होंने हमेशा माना है कि लोकसभा चुनाव के दौरान शिवसेना और बीजेपी ने उनका समर्थन किया था।

एमपी में चित्रकूट के गधा मेले में छाया 'चंकी पांडे'

● 72 हजार की सबसे ऊंची बोली लगी, पीछे छूटे अमिताभ, शाहरुख और मिथुन

भोपाल (एजेंसी)। मंदाकिनी नदी के किनारे लगने वाले चित्रकूट के सदियों पुराने गधा मेले में सोमवार को गधों की बोली लगी। इस मेले में चंकी पांडे (बॉलीवुड अभिनेता नहीं, बल्कि एक गधा) आकर्षण का केंद्र बन गया। चित्रकूट में दीवाली के दौरान हर साल यह गधा मेला लगता है। इस मेले में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब और राजस्थान से लगभग 350 गधे और खच्चर लाए गए। चित्रकूट नगर परिषद के मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया कि इस साल करीब 80 जानवरों की खरीद-बिक्री हुई। चित्रकूट में लगने वाले इस गधे मेले का बॉलीवुड से गहरा नाता है। गधों की तरफ व्यापारियों का ध्यान खींचने के लिए जानवरों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखा जाता हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के पड़ोसी जिलों से भी व्यापारी और खरीदार यहां



सौदेबाजी के लिए आते हैं। मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया, ये फिल्मी नाम केवल मेले तक ही सीमित रहते हैं। इन जानवरों का उन मशहूर हस्तियों से कोई स्थायी संबंध नहीं होता। गधों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर इसलिए रख देते हैं ताकि मेले का माहौल दिलचस्प हो जाए। इस साल के मेले में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, मिथुन चक्रवर्ती और चंकी पांडे के नाम के गधे शामिल थे, जिसमें चंकी पांडे नाम के गधे की सबसे ज्यादा बोली लगी। यह गधा 72,000 रुपये में बिका।

मुगलकाल से हो रहा मेले का आयोजन

माना जाता है कि यह मेला मुगल काल से चला आ रहा है। इसके पीछे एक स्थानीय कहानी है कि मुगल सेना के एक सैन्य अभियान के दौरान, उनके जानवरों की तबीयत खराब हो गई थी। कहा जाता है कि इसी घटना के बाद जानवरों की खरीद-बिक्री के लिए इस बाजार की शुरुआत हुई। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है, लेकिन इसका भविष्य अब उतना पक्का नहीं है। आयोजकों का मानना है कि नई पीढ़ी के इससे दूर होने के कारण, इस मेले का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। हो सकता है कि इसका पुराना आकर्षण फीका पड़ रहा हो, लेकिन फिल्मी सितारों के नाम की वजह से इसकी अहमियत अभी भी बरकरार है।

आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण का तीसरी बार तलाक

रूसी मॉडल अन्ना कोनिडेला से सन 2013 में शादी की थी

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण तथा उनकी पत्नी अन्ना कोनिडेला ने आपसी सहमति से तलाक लिया है। शादी के 13 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, यह फैसला आपसी समझ और सम्मान के साथ लिया गया। दोनों ने कहा कि वे अच्छे दोस्त बने रहेंगे। पवन कल्याण और अन्ना अपने बच्चों के लिए समर्पित



माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे। बच्चों की खुशी और भलाई दोनों की साझा प्राथमिकता रहेगी। पवन कल्याण ने तीन शादियां की हैं और तीनों ही बार उनका तलाक हुआ है। तलाक के फैसले के बाद पवन कल्याण की ओर से जारी बयान में कहा गया- अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा एक साथ बिताने के बाद हमने आपसी समझ और सम्मान के साथ अलग होने का फैसला किया है। भले ही हमारी शादी खत्म हो गई है, लेकिन हम अच्छे दोस्त बने रहेंगे और अपने प्यारे बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे। बच्चों की खुशी और भलाई हमेशा हमारी साझा प्राथमिकता रहेगी। पवन कल्याण और अन्ना कोनिडेला ने अपने शुभचिंतकों से उनके जीवन के इस मुश्किल दौर में प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील की।

दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में उनचास भारत के

● दिल्ली-भोपाल में एक्यूआई 400 पार, तमिलनाडु में बारिश ● यूपी के 4 शहरों की हवा खराब, श्रीगंगानगर सबसे प्रदूषित



नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के हैं। एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार सुबह 9.54 बजे राजस्थान का श्रीगंगानगर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां एक्यूआई 821 दर्ज किया गया। इस सूची में भारत के अलावा सिर्फ पाकिस्तान का लाहौर शामिल था। लाहौर 430 एक्यूआई के साथ 14वें स्थान पर रहा। वहीं, दीवाली के बाद दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश तक प्रदूषण गंभीर बना हुआ है। दिल्ली में मंगलवार सुबह 6 बजे चांदनी चौक का एक्यूआई 400 के पार रहा, जबकि कई इलाकों में यह 300 से ज्यादा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश के भोपाल, उज्जैन और हरियाणा के बहादुरगढ़ में भी एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया है। यूपी के नोएडा में एक्यूआई 332, बुलंदशहर में 331, गाजियाबाद में 324 दर्ज किया गया। एमपी में रात का तापमान 11 और यूपी में 15 सेंटीग्रेट तक गिर गया है।



एयर क्वालिटी इंडेक्स 201 से 300 तक होने पर हवा खराब मानी जाती है। 301 से 400 तक बहुत खराब और 401 से 500 गंभीर श्रेणी होती है। गंभीर प्रदूषण का असर स्वस्थ लोगों पर भी पड़ सकता है। तमिलनाडु के थूथुकुडी में लगातार बारिश हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने 4 राज्यों से गाड़ियों के प्रदूषण पर जवाब मांगा

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि गाड़ियों से निकलने वाले धुएं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इस पर तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा सरकारों के साथ एनसीआर और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि तय उम्र पूरी कर चुकी और प्रदूषण मानकों का पालन नहीं करने वाली गाड़ियों की एंट्री और उनके चलने पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। साथ ही, ऐसी गाड़ियों की पहचान और जांच की व्यवस्था की जानकारी भी मांगी है। इसमें पीयूसी सर्टिफिकेट की अनिवार्यता लागू कराने के कदम शामिल हैं।

लोकसेवक 48+घंटे हिरासत में तो अपने आप होगा सस्पेंड

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार अस्पताल प्रशासक की जमानत बहाल की, पटना हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है- अगर कोई सरकारी अफसर गिरफ्तार होकर 48 घंटे से ज्यादा न्यायिक हिरासत (जेल) में रहता है, तो उसे अपने आप सस्पेंड माना जाएगा। इसके लिए अलग से कोई सस्पेंशन ऑर्डर निकालने की जरूरत नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने 6 नवंबर के



आदेश में ये बात कही। मामला बिहार के समस्तीपुर के अस्पताल प्रशासक के रिश्वत कांड से जुड़ा था। विश्वजीत सिंह पर 36421 रुपए के बकाया वेतन को जारी करने के बदले संविदाकर्मी से 4000 रुपए रिश्वत मांगने का आरोप है। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें करीब एक साल बाद उनकी जमानत रद्द की गई थी।

पटना हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी

आरोपी प्रशासक सिंह ने पटना हाईकोर्ट के 1 जुलाई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका मंजूर की थी। हाईकोर्ट ने सेशन कोर्ट से मिली रेगुलर बेल रद्द कर सिंह को हिरासत में लेने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने आरोपी के रिहा होने के करीब एक साल बाद जमानत में दखल दिया। उसके आदेश से लगता है कि सेशन कोर्ट की एक टिप्पणी का असर जमानत रद्द करने के फैसले पर पड़ा। सेशन कोर्ट ने रिश्वत की रकम को बहुत कम बताया था।

दक्षिणी महासागर के भारतीय इलाके में ऑक्सीजन लेवल बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के महासागरों में ग्लोबल वार्मिंग से ऑक्सीजन घट रही है, लेकिन दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्रों में नया बदलाव मिला है, जो कि अच्छा संकेत है। गोवा के राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के अध्ययन के मुताबिक, 1993 से 2025 के बीच यहां पानी में घुली ऑक्सीजन बढ़ी है।

सबसे ज्यादा बदलाव 300 से 2,000 मीटर की गहराई पर मिला। अंटार्कटिक क्षेत्र में ऑक्सीजन सालाना प्रति किलोग्राम पानी में 2.37 माइक्रोमोल और ध्रुवीय क्षेत्र में 1.41 माइक्रोमोल बढ़ी। 2,000 से 5,000 मीटर गहराई पर भी बढ़ोतरी के संकेत मिले।

500-2000 के नोट बंद हों, सिर्फ 100-200 के चलें

● सीएम चंद्रबाबू बोले- डिजिटल पेमेंट से भ्रष्टाचार रुकेगा ● देश में तीन बार नोटबंदी हो चुकी, पीएम को रिपोर्ट सौंपी

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 500 और 2,000 रुपए के नोट बंद कर देने चाहिए। सिर्फ 100 और 200 रुपए के नोट ही चलन में रहने चाहिए। बड़े नोटों का चलन कम करने और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने से भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि पहले भी डिजिटल करेंसी को लेकर एक रिपोर्ट



तैयार कर पीएम नरेंद्र मोदी को सौंपी थी। अब वे फिर इस मुद्दे को उठाएंगे। नायडू ने यह मांग 9 नवंबर को अमरावती में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उठाई थी। यह बयान 8 नवंबर 2016 की नोटबंदी के 10 साल पूरे होने के अगले दिन आया था।

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग' की बिक्री शुरू

● 544 पेज की किताब में 7 चैप्टर ● इटली का पासपोर्ट छोड़ने और पीएम पद ठुकराने की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव' की ब्रिकी शुरू हो गई है। बिना किसी लॉन्च इवेंट के यह सीधे मार्केट में मिलने लगी है। हार्पर कॉलिन्स इंडिया से प्रकाशित इस किताब में 544 पेज हैं और इसे 7 चैप्टर में बांटा गया है। पहले एडिशन के लिए एक लाख कॉपियां छापी गई हैं। किताब के कवर पर सोनिया का फोटो है, जिसे 1966 में राजीव गांधी ने क्लिक किया था। शुरुआती पेज पर लिखा है- मेरे बेटे राहुल, बेटी प्रियंका और पोते-पोतियों रेहान और मिराया के नाम। इसके बाद एक पेज पर ऋग्वेद की ऋचाएं ली गई हैं। सोनिया ने किताब को निजी मेमॉयर बताया है और कहा है कि यह राजनीतिक किताब नहीं है। इसमें गांधी परिवार के साथ हुई त्रासदियों और 2004 के राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र है।



किताब के 7 चैप्टर में राजीव से मुलाकात, प्यार-शादी, भारत आना, राजीव के निधन के बाद कांग्रेस का नेतृत्व करने और पार्टी को बहुमत मिलने के बावजूद प्रधानमंत्री न बनने के फैसले का जिक्र किया गया है।

किताब का नाम व्हाइटवॉशिंग होना चाहिए था- कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की नई आत्मकथा बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव के बाजार में आते ही राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है।

बाबरी, 1984 के सिख दंगे और 26/11 पर उठाए सवाल

किताब में बाबरी मस्जिद विध्वंस पर सोनिया गांधी द्वारा आंसू बहाने के जिक्र पर सवाल उठाते हुए भाजपा प्रवक्ता ने पूछा कि क्या उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए कभी एक भी आंसू बहाया। केशवन ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में गुरुद्वारों पर हमले हुए और हजारों बेगुनाह सिखों का कत्लेआम हुआ, लेकिन उस त्रासदी पर गांधी परिवार खामोश रहा। उन्होंने बाटला हाउस मुठभेड़ का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सोनिया गांधी आरोपियों के लिए भावुक हो गई थीं, लेकिन क्या उन्होंने देश की रक्षा में शहीद होने वाले सीआरपीएफ के वीर जवानों के लिए कभी संवेदना जताई। इसके अलावा केशवन ने 2008 के मुंबई 26/11 आतंकी हमलों का जिक्र करते हुए पूछा कि क्या यह आत्मकथा बताएगी कि बेकसूर लोगों की मौत पर तत्कालीन यूपीए सरकार ने पाकिस्तान पर सख्त जवाबी कार्रवाई क्यों नहीं की। भाजपा प्रवक्ता ने 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए इमरजेंसी पर सोनिया गांधी के रुख की भी कड़ी आलोचना की।

बियर से लेकर व्हिस्की तक...हर घूंट में बन रहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े शराब बाजारों अमेरिका और चीन में लोग शराब से दूरी बना रहे हैं, लेकिन भारत में इसका बिल्कुल उल्टा नजारा देखने को मिल रहा है। साल 2026 की पहली छमाही यानी जनवरी से जून में भारत में शराब की खपत 10 फीसदी बढ़ गई है। ड्रिंक्स रिसर्च फर्म की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के 21 बड़े बाजारों में भारत की ग्रोथ सबसे तेज रही। राहत की बात यह है कि दुनिया भर में जहां शराब का बाजार कमजोर पड़ रहा है, वहीं भारत में हर कैटेगरी की बिक्री में जबरदस्त उछाल आया है। गौर करने वाली बात यह है कि एजेंसी के आंकड़े बताते हैं कि जिन 21 बड़े बाजारों पर नजर रखी जा रही है जो दुनिया की 76 फीसदी शराब की खपत को कवर करते हैं, वहां कुल खपत में 1 फीसदी की गिरावट आई है। देखा जाए तो बाकी देशों में 1 फीसदी की ही ग्रोथ हुई है।

इंस्टाग्राम-फेसबुक अब एआई से यूजर की उम्र पहचानेंगे

● टीनेजर्स के लिए सेफ्टी फीचर जनवरी से अनिवार्य होंगे

कैलीफोर्निया (एजेंसी)। सोशल मीडिया कंपनी मेटा अब बच्चों और टीनेजर्स की सुरक्षा के लिए एक नया एआई सिस्टम दुनियाभर में लागू करने जा रही है। इस सिस्टम की मदद से इंस्टाग्राम-



फेसबुक एप खुद पहचान लेंगे कि यूजर टीनेजर है या नहीं। इसके बाद, उसका अकाउंट अपने आप सख्त सुरक्षा और प्राइवेसी वाले टीन अकाउंट में बदल जाएगा। दुनियाभर की सरकारों की ओर से बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर बढ़ाई जा रही सख्ती को देखते हुए कंपनी ने यह कदम उठाया है।

एआई पकड़ेगा फर्जी उम्र, सेफ सेटिंग्स ऑटोमैटिक ऑन होंगी

मेटा ने अपने आधिकारिक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि वह अप्रैल 2025 से एक नई एआई तकनीक की टेस्टिंग कर रहा है। अगर किसी टीनेजर ने अकाउंट बनाते समय अपनी उम्र गलत बताई होगी, तो भी एआई उनके इस्तेमाल करने के तरीके से असली उम्र पहचान लेगा।

उम्र का पता चलते ही अकाउंट अपने-आप टीन सेटिंग्स में बदल जाएगा, जिससे उनकी स्क्रीन पर खराब या आपत्तिजनक वीडियो/पोस्ट दिखना बंद हो जाएंगे। पेरेंट्स को यह समझाने के लिए कि यह सुरक्षा सिस्टम कैसे काम करता है, मेटा खास जानकारी देने वाले वीडियो भी जारी करेगा।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में ट्रेन से गिरकर व्यक्ति की मौत, पटोरी लौट रहे थे, पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव

हाजीपुर। हाजीपुर-बछवाड़ा रेलखंड के खरीका हॉल्ट पर पैसेंजर ट्रेन से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिले के शाहपुर पटोरी थाना क्षेत्र के हसनपुर सूरत गांव निवासी बुधन राय (36) के रूप में हुई है।

मजदूरी कर घर लौट रहे थे बुधनः बुधन राय, जगबंधु राय उर्फ नथुनी राय के पुत्र थे। वह मजदूरी करने के लिए हाजीपुर आए थे। काम खत्म करने के बाद पैसेंजर ट्रेन से अपने घर पटोरी लौट रहे थे। इसी दौरान खरीका हॉल्ट के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर ट्रेन से गिर पड़े। सिर और शरीर पर गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौत हो गई।

शुरुआत में नहीं हो सकी पहचानः घटना की सूचना मिलने पर बिदुपुर थाना और चकसिकंदर ओपी की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। शुरुआत में शव की पहचान नहीं हो सकी थी।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शवः जांच के दौरान पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर उन्हें घटना की जानकारी दी। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

युवक को मारी गोली, वारदात के बाद से लापता, पुलिस तलाश में जुटी, घटनास्थल से मिले 3 खोखे



हाजीपुर। वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के नरेंद्र प्रबोधी गांव में एक युवक को गोली मारकर लापता करने का मामला सामने आया है। युवक की पहचान मझौली मोहम्मदपुर बुजुर्ग चौक निवासी स्वर्गीय कुशेश्वर राय के बेटे टिंकू कुमार उर्फ विवेक कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद से युवक का कोई सुराग नहीं मिला है।

घटनास्थल से मिले तीन खोखेः सूचना मिलने पर सराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को घटनास्थल से तीन खोखे मिले हैं। युवक की तलाश में पुलिस और ग्रामीण जुटे हुए हैं।

ग्रामीण एसपी और एसडीपीओ ने किया निरीक्षणः घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण एसपी सोनू कुमार और सदर एसडीपीओ-2 गोपाल मंडल भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पुलिसकर्मियों को जांच के निर्देश दिए।

कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछः ग्रामीण एसपी सोनू कुमार ने बताया कि थाना को घटना की सूचना मिली थी। इसके बाद थानाध्यक्ष ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। फिलहाल युवक का कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

गिरिडीह बैंक लूट की जांच में 2 लोग गिरफ्तार, झारखंड पुलिस हाजीपुर से दोनों को ले गई

हाजीपुर। झारखंड के गिरिडीह में यूको बैंक लूट की जांच के सिलसिले में पुलिस ने हाजीपुर के वासुदेवपुर चपुता गांव से दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस दोनों को अपने साथ झारखंड ले गई। गिरफ्तार लोगों की पहचान जमीन कारोबारी सत्य प्रकाश उर्फ जुगनू ठाकुर और राजू राय के रूप में हुई है। छापेमारी काजीपुर थाना क्षेत्र में की गई।



कार्रवाई के दौरान मारपीट करने का आरोपः झारखंड पुलिस की टीम ब्लैक स्कॉर्पियो से गांव पहुंची थी। पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में थे। टीम ने दोनों को हिरासत में लिया। लूटकांड में उनकी कथित भूमिका को लेकर पुलिस ने विस्तृत जानकारी नहीं दी है। कार्रवाई के दौरान सरोज कुमार से मारपीट करने और उनका मोबाइल छीनने का आरोप लगाया गया है।

भाई ने अपहरण की जताई आशंकाः जुगनू ठाकुर के भाई वेद प्रकाश ने पुलिसकर्मियों के सादे कपड़ों में पहुंचने और भाई को ले जाने पर अपहरण की आशंका जताई। उन्होंने काजीपुर थाने में शिकायत दी। वेद प्रकाश ने कहा कि पुलिसकर्मियों की पहचान और कार्रवाई की जानकारी साफ नहीं थी, इसलिए उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। काजीपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि झारखंड पुलिस दोनों लोगों को पूछताछ के लिए ले गई है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी गिरिडीह के यूको बैंक लूटकांड के सिलसिले में हुई है।

संपत्ति विवाद में मां-बेटी की पिटाई, दोनों गंभीर रूप से घायल, हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर, एक हिरासत में

हाजीपुर। वैशाली के राजापाकर थाना क्षेत्र के विशुनपुर तितरा गांव में पट्टीदारी और संपत्ति विवाद में मां-बेटी की पिटाई कर दी गई। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पीएचसी से हाजीपुर सदर अस्पताल रेफरः स्थानीय लोग घायलों को राजापाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों को हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों की पहचान राकेश शुक्ला की पत्नी पिंकी देवी (45) और बेटी आयुषी कुमारी (16) के रूप में हुई है।

मां को पीटते देख बीच-बचाव करने पहुंची बेटीः आयुषी ने आरोप लगाया कि पट्टीदार भवेश शुक्ला के बेटे अनुज कुमार ने रविवार को उसके साथ मारपीट की थी। सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे वह उसकी मां को पीटने लगा। बीच-बचाव करने पहुंची आयुषी को भी पीटा गया। आयुषी का आरोप है कि आरोपी संपत्ति विवाद को लेकर जान से मारने की धमकी देता है। महिला के ससुर शिवशंकर शुक्ला ने भी आरोप लगाया कि संपत्ति विवाद को लेकर परिवार में अक्सर मारपीट और कहासुनी होती है। सोमवार को बीच-बचाव करने पर उनके साथ भी मारपीट की गई।

एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछः राजापाकर थानाध्यक्ष ने बताया कि मारपीट की सूचना मिली है। एक पक्ष की ओर से आवेदन भी दिया गया है। एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गोपालपुर में मूर्ति विसर्जन के दौरान विवाद, छेड़छाड़ का विरोध करने पर झोपड़ी-दुकानों में लगाई आग

पटना। पटना के कन्नौजी मुशहरी में सोमवार देर रात मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए विवाद के बाद छेड़छाड़ का विरोध करने पर जमकर हंगामा हुआ। स्थानीय महिलाओं ने शाहपुर गांव के चितर गोप और उसके साथ आए कुछ लोगों पर झोपड़ी, गुमटी और ठेला-रिक्शा में आग लगाने का आरोप लगाया है। घटना गोपालपुर थाना क्षेत्र की है। महिलाओं के मुताबिक, मूर्ति विसर्जन के दौरान चितर गोप ने उनसे छेड़छाड़ की कोशिश की। इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसके बाद चितर गोप अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और आग लगा दी। आग में एक झोपड़ी, एक गुमटी और एक ठेला-रिक्शा जल गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह पुलिस टीम और अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काबू पाया। मामले की छानबीन की जा रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि फिलहाल इस मामले में किसी की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद मामले की जांच कर नियमानुसार विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

छात्र की गला दबाकर हत्या, 6 लोगों पर आरोप, 2 हिरासत में

एजेंसी, पटना

फोन आने के बाद घर से निकला था



दानापुर में एक छात्र की गला दबाकर हत्या कर दी गई। पिता ने छह लोगों पर आरोप लगाया है। पुलिस ने 2 आरोपियों को हिरासत में लिया है। पूछताछ की जा रही है। मृतक की पहचान प्रखंड ऑफिस में विकास मित्र के पद पर कार्यरत दिलीप कुमार राम के पुत्र अविनाश कुमार(19) के रूप में हुई है। ग्रेजुएशन में पढ़ता था। घटना शाहपुर थाना क्षेत्र के गंगहारा स्थित फुटानी बाजार की है।

जानकारी के अनुसार, अविनाश के मोबाइल पर किसी का फोन आया था। फोन पर बात करते हुए वह घर से यह कहकर निकला कि पास के देवी चौरा मंदिर जा रहा है और कुछ देर में लौट आएगा। कुछ देर बाद गांव के लोगों ने परिजनों को सूचना दी कि कुछ लोग मिलकर अविनाश के साथ मारपीट कर रहे हैं।

हत्या की वजह स्पष्ट नहींः सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, अविनाश सड़क पर मृत पड़ा था। उसके गले पर गहरे निशान थे। पिता दिलीप कुमार राम ने गांव के ही छह लोगों पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। हालांकि, हत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

मां का रो-रोकर बुरा हालः हत्या की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को सारण जिले के दिघवारा सरकारी अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। बेटे की मौत से मां का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार रोते हुए कह रही थी कि अब कौन रोज 10-20 रुपए मांगते हुए 'मम्मी-मम्मी' कहकर उसके पास आएगा।

'आवेदन के आधार पर की जाएगी कार्रवाई'ः वहीं, इस संबंध में शाहपुर थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि फुटानी बाजार में एक युवक की गला दबाकर हत्या की गई है। मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस छानबीन कर रही है। मृतक के परिजनों की ओर से अभी तक लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पटना में डाकबंगला चौराहे के पास दुकान में लगी आग



- बिल्डिंग में करीब 100 दुकानें, हाइड्रॉलिक गाड़ी लेकर पहुंची फायर ब्रिगेड

एजेंसी, पटना

पटना के डाकबंगला चौराहे के पास इलेक्ट्रॉनिक शॉप में भीषण आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय कोतवाली थाने की पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। 10 से 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। दुकान ग्रांड प्लाजा बिल्डिंग है, स्ट्रक्चर G+6 है। पूरी बिल्डिंग कमर्शियल है। यहां करीब 100 दुकानें हैं।

जान-माल की नुकसान नहींः जिला अग्निशमन पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि बिल्डिंग में संगीता इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान है। इसी में आग लगी थी। फ्रिज, वॉशिंग मशीन समेत दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बेचते हैं। आग नीचे से लगी और पोस्टर होर्डिंग से ऊपर तक फैल गई। अंदर तक लपटें नहीं पहुंची थी। तब तक कंट्रोल कर लिया गया। इसमें कोई नहीं है।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंकाः मौके पर दो MT मिस्ट टेक्नोलॉजी गाड़ी, 4 वाटर टेंडर, 1 वाटर बाउजर, 1 रेस्क्यू टेंडर, 1 हाइड्रॉलिक पहुंची थी। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट सामने आई है। फिलहाल जांच हो रही है। वहीं, इसके अलावा एसकेपुरी इलाके में भी आग लगने की सूचना है।

वहीं एसकेपुरी थाना अंतर्गत बोरिंग कैनाल रोड स्थित एक अपार्टमेंट के फ्लैट में आग लगी थी। जिस पर फ्लैट के लोगों ने खुद काबू पा लिया। फायर की गाड़ी पहुंची तब तक आग बुझा दी गई थी। इस घटना में भी सामान का नुकसान पहुंचा है। जान की क्षति नहीं है।

अनंत की बेटी शादी के बाद अमेरिका शिफ्ट होंगी

एजेंसी, पटना



मोकामा विधायक अनंत सिंह की छोटी बेटी शिवांगी की 25 नंवबर को शादी है। इसकी भव्य तैयारी की जा रही है। शिवांगी की शादी ऋषिकेश कुमार उर्फ अंकित से हो रही है। ऋषिकेश पटना के बिहटा स्थित कृष्णानगर निवासी कमांडेंट रणविजय कुमार के बेटे हैं। अमेरिका की जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी से एमबीए किया है और करीब 11 वर्षों से अमेरिका में रह रहे हैं। घर की पहली बहू के स्वागत में उनके ससुर कमांडेंट रणविजय सिंह ने 2 कट्ठे में नया घर बनवाया है। जहां शादी तैयारी जोर शोर से चल रही है।

ऋषिकेश के पिता रणविजय कुमार सिंह भास्कर से बातचीत में कहा कि अनंत सिंह से रिश्ता जुड़ना हमारे और परिवार के लिए गर्व की बात है। बेटे के लिए रिश्ता लड़की पक्ष की तरफ से आया था और परिवार के लोगों ने ही पसंद किया था। इसके बाद यह रिश्ता पक्का हुआ। रणविजय कुमार ने आगे कहा कि तिलक पटना के एक रिजॉर्ट में होगा। शादी के बाद शिवांगी घर पर रहेंगी, फिर उसके बाद बेटे और बहू अमेरिका चले जाएंगे। हम लोग शुरू से ही अहमदाबाद में रहे हैं। बेटे ने 10वीं और 12वीं की पढ़ाई अहमदाबाद से किया है। अमेरिका से ग्रेजुएशन और एमबीए किया है। शादी से पहले नए मकान में गृह प्रवेश भी होगा।

दीपावली पर पटना में बहन के सामने लड़की से गैंगरेप पीड़िता बोली- छोटी बहन के सिर पर पिस्टल तानी

एजेंसी, पटना



- खींच कर ले गए, अश्लील वीडियो भी बनाया

पटना से सटे बाढ़ थाने इलाके में एक लड़की के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया गया है। 3 लड़कों ने छोटी बहन के सामने बड़ी बहन के साथ गैंगरेप किया। पीड़िता का कहना है कि बदमाशों ने मेरी छोटी बहन के सिर पर पिस्टल तान दी, उसके बाद मेरे साथ बारी-बारी से रेप किया।

घटना दीपावली की रात यानी 8 नवंबर की है। बाढ़ थाना क्षेत्र की रहने वाली दो बहनें अपने पिता का खोजने निकली थीं। लड़कियों का कहना है कि उनके पिता दीपावली की रात करीब 11 बजे तक घर नहीं लौटे थे, इसलिए हमलोग उन्हें ढूंढने के लिए निकले थे। तभी रास्ते में घर से करीब 500 मीटर दूर दूसरे गांव के 3 युवकों ने दोनों बहनों को घेर लिया। आरोप है कि युवकों ने बड़ी बहन को पकड़ लिया और उसके मुंह पर कपड़ा बांध दिया। जब छोटी बहन ने इसका विरोध किया और अपनी बहन को बचाने की कोशिश की, तो एक बदमाश ने उसकी कनपटी पर पिस्तौल तान दी और जान से मारने की धमकी देकर उसे चुप रहने को मजबूर कर दिया। छोटी बहन ने बताया कि बड़ी बहन को बाल पकड़कर घसीटते हुए घर से करीब एक से डेढ़ किलोमीटर दूर सुनसान सड़क पर ले गए।

वहां उन्होंने बारी-बारी से मेरी बहन के साथ दुष्कर्म किया। मैं यह सब देखती रही। इसके बाद दोनों बहनों को वहीं छोड़कर भाग गए। छोटी बहन का आरोप है कि आरोपियों ने गैंगरेप का वीडियो भी बनाया है।

रात 1 बजे पीड़िता घर पहुंचीः करीब दो घंटे बाद, रात एक बजे, दोनों बहनें घर पहुंची और परिवार को घटना की जानकारी दी। इसके बाद डायल 112 पर फोन किया। पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले गई।

मां की मौत के बाद पिता मानसिक तनाव में रहते थेजानकारी के मुताबिक, पीड़िता की मां की करीब दो साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद से उनके पिता मानसिक तनाव में रहते हैं। परिवार में चार बहनें और एक भाई हैं। पीड़िता सबसे बड़ी बेटी है। मां की मौत के बाद उसकी पढ़ाई छूट गई थी और वह घर संभाल रही थी। वह बीए में दाखिला ले चुकी है।

6 लाख लेकर थाना से आरोपियों को छोड़ा! अधिकारियों-कर्मियों की भूमिका संदिग्ध

एजेंसी, पटना



- थाना प्रभारी भी जांच के दायरे में, पूछताछ होगी

फुलवारीशरीफ थाने में स्मैक बेचने के आरोप में पकड़े गए दो लोगों को छोड़ने के लिए 6 लाख रुपए लेने का मामला सामने आया है। मामले की जांच शुरू हो गई है। पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-2 उमेश्वर चौधरी जांच कर रहे हैं। थाना प्रभारी गुलाम शहबाज आलम भी जांच के दायरे में हैं। इनसे से भी पूछताछ होगी।

8 पुलिसकर्मी सस्पेंड, 1 सिपाही अरेस्टः घूस लेने के आरोपी पुलिस सब इंस्पेक्टर सह तत्कालीन अपर तत्कालीन अपर थानाध्यक्ष फुलवारी शरीफ दिवाकर प्रसाद, सब इंस्पेक्टर नारद मुनि सिंह, सब इंस्पेक्टर आकाश कुमार, सब इंस्पेक्टर पवन कुमार, सब इंस्पेक्टर रितेश कुमार, थाना के तत्कालीन मुंशी साबिर आलम, सिपाही आनंद कुमार और शुभम कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। इनमें से सिपाही आनंद कुमार गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य अभी फरार है। पूछताछ में आनंद कुमार ने पूरे मामले का खुलासा किया है।

वाब और मुकर्रम से डील हुआ फाइनलः गिरफ्तार सिपाही आनंद कुमार के बयान के मुताबिक, थाने के छापेमारी दल के अधिकारियों-कर्मचारियों के कहने पर नवाब और मुकर्रम से डील तय हुआ। दो आरोपी आफताब आलम और मोहम्मद अहसान को छोड़ने के लिए 6 लाख रुपए में डील हुई थी। जब्त सामान को थाने के मालखाने में रखा गया था, लेकिन इसकी एंट्री थाने की सनहा या दैनिक डायरी में नहीं की गई थी।

निशानदेही पर 95 हजार रुपए बरामदः पूछताछ में सिपाही आनंद कुमार ने बताया कि मुकर्रम 6 लाख रुपए लेकर आया था। आनंद ने 50 हजार रुपए अपने पास रखे और बाकी 5.5 लाख रुपए पुलिस अवर निरीक्षक आकाश कुमार के कमरे में पहुंचाए। आकाश ने कहा कि रकम का बंटवारा बाद में सबकी सहमति से होगा। बाद में आनंद के हिस्से में 45 हजार रुपए आए। इसी में सिपाही आकाश को 22,500 रुपए दिया। आनंद ने रिश्वत के रुपए अपने मकान मालिक देवेंद्र सिंह के घर छिपा दिए। पुलिस की विशेष टीम ने पूछताछ और आनंद की निशानदेही पर मकान से 95 हजार रुपए बरामद किए।

स्मैक बेचने के आरोप में हुई थी गिरफ्तारीः शाहबाज आलम उर्फ मुकर्रम ने अपने बयान में बताया कि 26 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे उन्हें सूचना मिली थी कि फुलवारीशरीफ पुलिस ने आफताब आलम और मोहम्मद अहसान को स्मैक बेचने के आरोप में पकड़ा है। इसके बाद दोनों के परिजन से बत की। डील 6 लाख में हुआ, लेकिन दोनों के परिजन से 12 लाख रुपए मांगे। पुलिस से मामला सेट होने के बाद नवाब ने 6 लाख सिपाही आनंद कुमार को थाना पर पहुंचा दिया था। इसके बाद अधिकारियों के कहने पर थाना के सरिस्ता से दो लोगों को छोड़ दिया गया था। पैसे के बंटवारा को लेकर पुलिस पदाधिकारी के बीच आपसी विवाद में यह मामला वरीय अधिकारी तक पहुंच गई। इसके बाद वरीय अधिकारी ने इसकी जांच शुरू कर दी।

तालाब में डूबीं तीन बच्चियां, मौत एक बच्ची को बचाने में हुआ हादसा

एजेंसी, पटना



पटना के फुलवारी शरीफ में भैया दूज पर तालाब में नहाने गईं तीन बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। एक बच्ची को पटना एम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान बेली कुमारी (18), मौली कुमारी (17) और सृष्टि कुमारी (7) के रूप में हुई है। घटना थाना क्षेत्र के हिंदूनी गांव की है। स्थानयी लोगों ने बताया कि एक बच्ची नहाने के दौरान गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। बच्ची को डूबता देखे अन्य दोनों बचाने की कोशिश की, लेकिन वो भी गहरे पानी में चली गई।

ग्रामीणों ने बताया कि नहाते समय तीनों गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। तालाब के पास कुछ लोग काम कर रहे थे, उन्होंने शोर मचाया। इसके बाद तीनों बच्ची के परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तीनों को तालाब से बाहर निकाला। इसके बाद तीनों को आनन-फानन में हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी भी वहां पहुंचे। BDO और CO ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और अंतिम संस्कार के लिए सरकारी सहायता राशि दी। फुलवारी शरीफ प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय मिश्रा बताया कि सूचना मिलने के बाद हिंदूनी गांव पहुंचे। पीड़ित परिवार को सरकारी प्रावधान के अनुरूप सहायता राशि दी गई है।

बहन करेंगी भाई की सलामती की कामना सर्वार्थ अमृत सिद्धि योग में भाई दूज आज

एजेंसी, पटना



पंचदिवसीय दीपोत्सव की शुरुआत धनतेरस से होती है और भाई दूज के साथ इसका समापन होता है। भाई दूज हर वर्ष कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार हिंदू पंचांग के अनुसार द्वितीया तिथि 10 नवंबर को दोपहर 2 बजे शुरू होगी और 11 नवंबर को दोपहर 3:53 बजे तक रहेगी। 10 नवंबर को उदया तिथि नहीं मिलने के कारण भाई दूज का पर्व 11 नवंबर को मनाया जाएगा। इस दिन बहनें भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करेंगी। भाई दूज पर कार्तिक शुक्ल उदयकालिक द्वितीया में अनुराधा नक्षत्र और ज्येष्ठा नक्षत्र के युग्म संयोग तथा सर्वार्थ अमृत सिद्धि योग व सिद्ध योग के उत्तम संयोग में मनाया जाएगा। बहनें कल भगवत पूजा व कथा के बाद अपने भाइयों की दीर्घायु, सुख, समृद्धि, यश, विद्या की कामना से यमराज और उनके दूतों की पूजा के बाद उनके माथे पर तिलक लगाएंगी।

बहनें पूजा के बाद यमराज से प्रार्थना में मार्कण्डेय, हनुमान, बलि, परशुराम, व्यास, विभीषण, कृपाचार्य व अश्वत्थामा इन 8 चिरंजीवियों की तरह चिरंजीव होने का वर मांगेंगी। इसके बदले भाई भी उनकी रक्षा व सम्मान का संकल्प लेते हुए उपहार देंगे। यह त्योहार रक्षाबंधन की तरह ही महत्व रखता है। कायस्थ समुदाय के श्रद्धालु कल बुधवार को विधि-विधान से चित्रगुप्त भगवान की पूजा-अर्चना करेंगे।

बिहार में सुबह धुंध, दिन में तेज धूप, फिलहाल बारिश के आसार नहीं, दीपावली के बाद 5 बड़े शहरों में हवा खराब

एजेंसी, पटना



बिहार में आज मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। सुबह कई जिलों में हल्के से मध्यम स्तर की धुंध छाई रह सकती है, जबकि दिन में धूप निकलने से तापमान बढ़ेगा। फिलहाल बारिश को लेकर कोई अलर्ट नहीं है। दूसरी ओर, दीपावली पर हुई आतिशबाजी का असर अब हवा में दिख रहा है। बिहार के कई शहरों में AQI 300 के करीब पहुंच गया है।

सुबह धुंध, दिन में निकलेगी धूपः मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बिहार के सभी छह मौसम विज्ञान क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहेगा। उत्तर-पश्चिम बिहार के पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान और सारण में सुबह हल्की धुंध के बाद धूप निकलने की संभावना है।

उत्तर-मध्य बिहार के मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर और वैशाली में भी सुबह धुंध रह सकती है। वहीं, उत्तर-पूर्वी बिहार के पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज, सुपौल, सहरसा और मधेपुरा में बारिश की संभावना नहीं है।

दक्षिण बिहार के पटना, गया, नालंदा, भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, जहानाबाद, अरवल, औरंगाबाद, नवादा और शेखपुरा में भी मौसम साफ रहने का अनुमान है। कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री तक पहुंच सकता है। न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

पटना में 30 डिग्री रहेगा अधिकतम तापमानः पटना में भी आज सुबह हल्की धुंध रह सकती है। इसके बाद आसमान साफ रहेगा और दिन में धूप निकलेगी। मौसम विभाग के शहरवार पूर्वानुमान के मुताबिक, अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। बारिश की कोई चेतावनी नहीं है। सुबह और रात में हल्की ठंडक महसूस होगी।

मौसम विभाग के अनुसार, 11 नवंबर को दक्षिण-पूर्व बिहार के जमुई, मुंगेर, बांका, खगड़िया और भागलपुर के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। बाकी जिलों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। अगले चार-पांच दिनों तक अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। न्यूनतम तापमान भी अगले तीन-चार दिनों तक लगभग स्थिर रह सकता है।

संक्षिप्त समाचार

संजीव कुमार कापर बने मोतिहारी के जिला भू-अर्जन पदाधिकारी

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल के तहत संजीव कुमार कापर को पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) का जिला भू-अर्जन पदाधिकारी नियुक्त किया है। इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। सीतामढ़ी निवासी संजीव कुमार कापर को मोतिहारी में भू-अर्जन से संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, उन्हें पूर्वी चंपारण जिले में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी के पद पर तैनात किया गया है। उनकी नियुक्ति की सूचना मिलने के बाद जिले के प्रशासनिक महकमे में इसकी चर्चा शुरू हो गई है।

डीएसपी कुमार चंदन की चेतावनी, अवैध शराब कारोबारियों पर होगी कार्रवाई



बीएनएम @ पकड़ीदयाल। डीएसपी कुमार चंदन की अध्यक्षता में पकड़ीदयाल अनुमंडल में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में अंचल निरीक्षक, पकड़ीदयाल एवं पताही के पर्यवेक्षी पदाधिकारी सहित अनुमंडल क्षेत्र के सभी थानाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक के दौरान डीएसपी ने अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने और इसमें संलिप्त कारोबारियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही लंबित कांडों का शीघ्र निष्पादन करने तथा वांछित एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। डीएसपी कुमार चंदन ने सभी थानाध्यक्षों को अपराध नियंत्रण के लिए पूरी सक्रियता एवं तत्परता के साथ काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर अंकुश लगाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मां ने चार साल की बेटी के साथ दी जान, बेटा की बची जिंदगी

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। सदर थाना क्षेत्र के रेवा रोड स्थित लक्ष्मी नगर में एक महिला और उसकी चार वर्षीय बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जबकि महिला का बेटा बाल-बाल बच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला ने अपने दोनों बच्चों के साथ आत्महत्या की कोशिश की थी। घटना के दौरान बच्चे की चीख-पुकार सुनकर घर के अन्य परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद परिजनों ने घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कमरे में महिला और उसकी मासूम बेटी मृत अवस्था में मिलीं, जबकि बेटे को सुरक्षित बचा लिया गया। मृतका की पहचान रीना देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उनके पति निर्भय कुमार एक निजी कोचिंग संस्थान का संचालन करते हैं। प्रारंभिक तौर पर पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद की बात सामने आ रही है। हालांकि, महिला ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया, इसकी वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है। पुलिस घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाने के साथ परिजनों और आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। इस दर्दनाक घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मां और मासूम बेटी की मौत से परिजन बदहवास हैं, वहीं पूरे इलाके में शोक और सन्नाटा पसरा है। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही घटना के पीछे की असली वजह सामने आ सकेगी।

ट्रक की ठोकर से बाइक सवार आर्यन मोहम्मद की हुई मौत

बीएनएम @ शिवहर। शिवहर-मधुबन एनएच-227 पर भोरहा मेला गाछी के समीप सोमवार को एक लापरवाह तेज रफ्तार ट्रक की ठोकर से बाइक सवार एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठा दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान श्यामपुर धुनिया टोल निवासी आर्यन मोहम्मद के रूप में हुई है। घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने एनएच-227 को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक से एनएच-227 होकर गुजर रहे थे। इसी दौरान भोरहा मेला गाछी के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक चला रहे आर्यन मोहम्मद की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सड़क जाम और हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम अनंत कुमार एवं महिला डीएसपी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे। अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। वहीं, गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। घटनास्थल पर अभी भी लोगों की भीड़ जुटी हुई है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक और उसके चालक को पकड़ लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है।

डीएम-एसपी ने बापूधाम मोतिहारी स्टेशन का निरीक्षण कर यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं का लिया जायजा

स्टेशन के दोनों प्रवेश द्वारों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया का निरीक्षण, यात्रियों को रात 8 से सुबह 6 बजे तक मिलेगी मुफ्त नाइट बस सेवा

बीएनएम @ मोतिहारी



लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से अपने घर लौट रहे यात्रियों एवं छठव्रतियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने तीन दिनों के भीतर दूसरी बार बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्टेशन परिसर, दोनों प्लेटफॉर्म, पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। इस दौरान स्टेशन अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि ट्रेनों के आगमन एवं प्रस्थान की सटीक जानकारी नियमित रूप से उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से दी जाए, ताकि यात्रियों के बीच किसी प्रकार का भ्रम या अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही यात्रियों के बैठने, पेयजल और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। त्योहार के दौरान प्लेटफॉर्म पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेल प्रशासन एवं जिला प्रशासन के समन्वय से स्टेशन के दोनों प्रवेश द्वारों के पास अस्थायी होल्डिंग एरिया (यात्री सुविधा केंद्र) का निर्माण कराया जा रहा है। डीएम एवं एसपी ने निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए इसे शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर प्रवेश करने से पहले सुरक्षित एवं सुविधाजनक स्थान पर व्यवस्थित रूप से ठहराना है, ताकि भीड़ का दबाव कम हो और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। वहीं, पुलिस अधीक्षक ने प्लेटफॉर्म संख्या-1 एवं 2 के प्रवेश द्वारों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मोतिहारी पुलिस की ओर से विशेष पहल की गई है। इसके तहत रात में ट्रेन से उतरने वाले यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए मुफ्त नाइट बस सेवा शुरू की गई है। यह सेवा रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक स्टेशन के दोनों प्लेटफॉर्म के बाहर उपलब्ध रहेगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को नशाखुरानी, झपटमारी एवं असामाजिक तत्वों से बचाना तथा उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाना है। इसके अतिरिक्त स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को 24 घंटे अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सादे लिबास में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त आशीष कुमार, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर मोतिहारी अरुण कुमार, स्टेशन अधीक्षक सहित रेलवे के अन्य अधिकारी एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा, सुगम आवागमन एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ पूरी सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है।

नाली के पानी को लेकर भिड़े दो पक्ष, लाठी-डंडों से मारपीट में दर्जनभर से अधिक घायल

बीएनएम @ सुगौली



थाना क्षेत्र के श्रीखिड़ीं गांव में गंदे पानी की निकासी को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। मामूली विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच लाठियां चलने लगीं। इस घटना में दोनों पक्षों के एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सुगौली प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका इलाज किया। वहीं, गंभीर रूप से घायल नरेश साह की हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में प्रथम पक्ष के घायल मुकेश साह ने बताया कि वे लोग अपने घर का पानी सरकारी नाले में बहा रहे थे। इसी दौरान गांव के ही मुन्ना मियां और हमीद मियां अपने परिजनों के साथ वहां पहुंच गए और निजी जमीन में गंदा पानी गिराने का आरोप लगाने लगे। मुकेश साह के अनुसार, उन्होंने स्पष्ट किया कि पानी सरकारी नाले में बहाया जा रहा है। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और दूसरे पक्ष के लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। वहीं, दूसरे पक्ष के घायल मोहम्मद जावेद ने आरोप लगाया कि वे लोग मुकेश साह से केवल यह पूछने गए थे कि वहां पानी क्यों बहाया जा रहा है। इसी बात पर मिथिलेश साह, संदेश साह और उनके परिजनों ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटना शुरू कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। समाचार लिखे जाने तक किसी भी पक्ष की ओर से सुगौली थाने में लिखित आवेदन नहीं दिया गया था।

ई-रिक्शा से गिरने के बाद पिकअप की चपेट में आने से महिला की मौत

बीएनएम @ पकड़ीदयाल



जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। मधुबन-शिवहर मुख्य सड़क पर हरदिया पुल के समीप ई-रिक्शा से गिरने के बाद महिला को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान मोतीपुर के बरजी झिंगहा निवासी सुनील कुमार की पत्नी मंजू देवी के रूप में हुई है। वह छठ पर्व के अवसर पर अपने मायके कृष्णा नगर पंचायत के नयका टोला आई हुई थी। परिजनों के अनुसार, मंगलवार को मंजू देवी परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ई-रिक्शा पर सवार होकर मधुबन बाजार में छठ पर्व की खरीदारी करने जा रही थीं। इसी दौरान हरदिया पुल के समीप ई-रिक्शा को अचानक तेज झटका लगा, जिससे वह सड़क पर गिर गईं। तभी पीछे से तेज गति से आ रहे पिकअप वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इस हादसे के बाद परिजन आनन-फानन में मंजू देवी को इलाज के लिए मधुबन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका योगेंद्र सहनी की पुत्री बताई जा रही हैं। घटना की खबर मिलते ही मायके और ससुराल पक्ष में मातम छा गया। जिस घर में छठ पर्व की तैयारियां चल रही थीं, वहां खुशियों की जगह चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले में थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार पांडेय ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे की जांच की जा रही है। पिकअप वाहन और उसके चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मधुबन-शिवहर मुख्य सड़क पर वाहन तेज गति से चलते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। लोगों ने प्रशासन से सड़क पर गति सीमा निर्धारित करने और पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

5.10 लाख पेंशनधारियों के खाते में पहुंचे 56.11 करोड़ रुपये

- अक्टूबर माह की पेंशन राशि का डीबीटी से हुआ भुगतान
- जिले के 5,10,177 लाभार्थियों को मिला लाभ

बीएनएम @ मोतिहारी



पूर्वी चम्पारण जिले के 5.10 लाख से अधिक वृद्धजनों, विधवाओं एवं दिव्यांगजनों के बैंक खातों में अक्टूबर माह की सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि मंगलवार को अंतरित कर दी गई है। जिले के कुल 5,10,177 सक्रिय पेंशनधारियों के खाते में 56 करोड़ 11 लाख 94 हजार 700 रुपये की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजी गई। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम के दौरान राज्य की सभी छह प्रमुख सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की राशि का भुगतान किया। राज्यस्तर पर अक्टूबर माह के लिए कुल 109.62 लाख पेंशनधारियों के बैंक खातों में 1,205.91 करोड़ रुपये अंतरित किए गए। इसके तहत लाभार्थियों को अब 1,100 रुपये प्रतिमाह की दर से पेंशन दी जा रही है। इसी क्रम में पूर्वी चम्पारण समाहरणालय स्थित एनआईसी कार्यालय में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण) शैलेन्द्र कुमार भारती, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मी एवं पेंशनधारी मौजूद रहे। जिले में पेंशन योजनाओं के तहत सबसे अधिक लाभ वृद्धजनों को मिला है। मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना के 2,86,482 तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के 1,20,985 लाभार्थियों को राशि भेजी गई। इस प्रकार कुल 4,07,467 वृद्धजनों को पेंशन का लाभ मिला। वहीं, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 29,550 और लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 27,432 लाभार्थियों समेत कुल 56,982 विधवाओं के खाते में राशि अंतरित की गई। इसी तरह इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना के 6,611 तथा बिहार निःशक्तता पेंशन योजना के 39,117 लाभार्थियों को मिलाकर कुल 45,728 दिव्यांगजनों को पेंशन का लाभ मिला। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्गों तक पेंशन का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने वैसे पेंशनधारियों से अविलंब जीवन प्रमाणीकरण (ई-केवाईसी) कराने तथा आधार को बैंक खाते से सीड कराने की अपील की, जिन्होंने अब तक ये प्रक्रियाएं पूरी नहीं की हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रक्रियाओं के पूरा नहीं होने के कारण जिन लाभार्थियों की पेंशन बंद हो गई है, वे आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराएं, ताकि उनकी पेंशन दोबारा चालू हो सके। जिलाधिकारी श्री यादव ने बताया कि जीवन प्रमाणीकरण के लिए दो आसान विकल्प उपलब्ध हैं। लाभार्थी अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन के माध्यम से ई-केवाईसी करा सकते हैं। इसके अलावा 'ई-लाभार्थी बिहार' के आधिकारिक पोर्टल पर आधार ओटीपी के जरिए भी जीवन प्रमाणीकरण की सुविधा उपलब्ध है। इस संबंध में लाभार्थी नजदीकी प्रखंड कार्यालय, अनुमंडल कार्यालय या सीएससी केंद्र से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि प्रत्येक माह की दस तारीख को लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है।

ट्रक की ठोकर से बाइक सवार आर्यन मोहम्मद की हुई मौत

बीएनएम @ शिवहर

शिवहर-मधुबन एनएच-227 पर भोरहा मेला गाछी के समीप सोमवार को एक लापरवाह तेज रफ्तार ट्रक की ठोकर से बाइक सवार एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठा दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान श्यामपुर धुनिया टोल निवासी आर्यन मोहम्मद के रूप में हुई है। घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने एनएच-227 को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक से एनएच-227 होकर गुजर रहे थे। इसी दौरान भोरहा मेला गाछी के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक चला रहे आर्यन मोहम्मद की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सड़क जाम और हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम अनंत कुमार एवं महिला डीएसपी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे। अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। वहीं, गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। घटनास्थल पर अभी भी लोगों की भीड़ जुटी हुई है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक और उसके चालक को पकड़ लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है।

छठ महापर्व को लेकर तैयारियां तेज अधिकारियों ने किया विभिन्न घाटों का निरीक्षण

- सुरक्षा, स्वच्छता और रोशनी की रहेगी विशेष व्यवस्था, घाटों पर तैनात होगी मेडिकल टीम; नदी में बैरिकेडिंग के साथ नाव और गोताखोरों की भी होगी तैनाती

बीएनएम @ सुगौली



लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर सुगौली नगर पंचायत में तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में मंगलवार को सिकरहना नदी स्थित मुख्य छठ घाट सहित नगर क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने निरीक्षण किया। उक्त निरीक्षण के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार, स्वच्छता अधिकारी कन्हैया कुमार, नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि सह जदयू नेता अली हसन, नगर उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता विकास शर्मा, भाजपा नेता अंकुर चौधरी तथा वार्ड संख्या-13 के पार्षद प्रतिनिधि सुजीत सहनी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि छठ पर्व को देखते हुए सभी घाटों की साफ-सफाई का कार्य युद्धस्तर पर कराया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही सुरक्षा के सभी आवश्यक मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि छठ घाटों पर मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। वहीं, नदी घाटों पर सुरक्षा के मद्देनजर नाव, गोताखोरों एवं नाविकों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। नगर उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सह भाजपा नेता विकास शर्मा ने बताया कि छठ व्रतियों एवं उनके परिजनों के आवागमन को सुरक्षित बनाने के लिए सभी आवश्यक बिंदुओं को चिह्नित कर लिया गया है। नगर प्रशासन की ओर से सिकरहना नदी स्थित सुगौली मुख्य छठ घाट पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से नदी में बैरिकेडिंग कराई जाएगी। इसके अलावा छठ घाट एवं घाट से सुगौली बस स्टैंड चौक तथा सुगौली गांव तक पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि छठ व्रतियों की सुविधा के लिए घाटों पर चेंजिंग रूम, नियंत्रण कक्ष, सेल्फी प्वाइंट और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था भी की जाएगी। साथ ही नगर पंचायत क्षेत्र के सभी छठ घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों की साफ-सफाई एवं मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को घाटों तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। नगर प्रशासन की ओर से छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

कानूनी अधिकार और नशामुक्ति का संदेश लेकर विद्यार्थियों के बीच पहुंची टीम आजाद

बीएनएम @ मोतिहारी/ढाका



राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर आजाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन की ओर ढाका के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कानूनी एवं संवैधानिक जागरूकता अभियान चलाया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी चंपारण से पांच नवंबर को प्राप्त पत्र के आलोक में आयोजित इस अभियान के दौरान विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों, संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई। अभियान में विद्यार्थियों को संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत कानून के समक्ष समानता तथा अनुच्छेद 39ए के तहत निःशुल्क विधिक सहायता के प्रावधानों से अवगत कराया गया। इसके अलावा मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों, पॉक्सो अधिनियम, बाल अधिकार, बच्चों की सुरक्षा, गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, दहेज निषेध, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी और सुरक्षित इंटरनेट के इस्तेमाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान जरूरतमंद एवं पात्र लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने तथा इसके लिए आवेदन करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। वहीं, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार से चार नवंबर को प्राप्त पत्र के आलोक में 'नशामुक्त बिहार' अभियान के तहत विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। उन्हें नशे से दूर रहने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में अधिवक्ता नूर आलम आजाद, अधिवक्ता साजिद अनवर और संगठन के संस्थापक कफील अहमद आजाद उर्फ शाहजादा आजाद ने विद्यार्थियों से संवाद किया। जागरूकता अभियान का आयोजन ओआर मैथमेटिक्स, ढाका इंटरनेशनल स्कूल, तबिश एजुकेशन हब, ए. रहमान क्लासेज और आर्डेंट इंटरनेशनल स्कूल सहित कई शिक्षण संस्थानों में किया गया। अभियान में आकाश, अल्तमश, अंतु सिंह, वरुण पासवान, इमरान और निकिता जायसवाल ने सक्रिय सहयोग किया। उल्लेखनीय है कि संगठन के संस्थापक कफील अहमद आजाद ने विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (VBYLD) 2027 के स्टेज-II के परिणाम के आधार पर जिला चैंपियनशिप (पीपीटी) राउंड के लिए अर्हता प्राप्त की है। संगठन का उद्देश्य युवाओं और विद्यार्थियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराना है। संगठन का मानना है कि जागरूक, जिम्मेदार और नशामुक्त युवा ही एक सशक्त एवं विकसित समाज की नींव रख सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

छठ घाटों का एसडीओ ने किया निरीक्षण, सफाई व सुरक्षा के दिए निर्देश

बीएनएम@ केसरिया। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को एसडीओ शिवम शिवानी एवं बीडीओ कुमुद कुमार ने नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने वार्ड संख्या छह स्थित रामजानकी मठ, वार्ड संख्या 11 स्थित बाबा डोमा घाट तथा वार्ड संख्या आठ के अखरवा पोखर छठ घाट का जायजा लिया। एसडीओ ने घाटों की साफ-सफाई, स्वच्छता एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर संबंधित कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने घाटों पर नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराने तथा नदी और पोखर में उगे घास की सफाई सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही छठ पूजा से पहले सभी घाटों को व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने का निर्देश दिया। मौके पर बीडीओ कुमुद कुमार, नगर पंचायत कर्मी मृत्युंजय कुमार सिंह, विशाल कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।



बगहा ग्रिड से शुरू हुई बिजली आपूर्ति, मिलेगी राहत

बीएनएम@ बगहा। बगहा अनुमंडल क्षेत्र में बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। मंगलवार को 33 केवी बगहा फीडर को नवनिर्मित 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र, बगहा से सफलतापूर्वक लोड पर चार्ज कर दिया गया। इससे पहले बगहा को 33 केवी बिजली की आपूर्ति रामनगर से की जाती थी। नई व्यवस्था शुरू होने से क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं को आगामी गर्मी के मौसम में लो-वोल्टेज की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। साथ ही बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता, वोल्टेज स्तर और स्थिरता में भी सुधार होगा। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बगहा के कार्यपालक अभियंता ई. आलोक अमृतांशु ने बताया कि आने वाले कुछ दिनों में इसी ग्रिड उपकेंद्र से सेमरा, कुम्हिया और चौतरवा सहित दो नवनिर्मित विद्युत शक्ति उपकेंद्रों को भी बिजली आपूर्ति शुरू की जाएगी। इससे क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था और मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, बगहा एवं विद्युत संचरण प्रमंडल, बेतिया की टीम मौजूद रही।



छठ घाटों की विद्युत व्यवस्था का अधिकारियों ने लिया जायजा

बीएनएम@ बगहा। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर विद्युत विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बगहा की टीम ने रामनगर प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों और वहां तक पहुंचने वाले मार्गों का निरीक्षण किया। निरीक्षण दल में विद्युत कार्यपालक अभियंता ई. आलोक अमृतांशु, सहायक विद्युत अभियंता अभिषेक प्रेम, कनीय विद्युत अभियंता वेद प्रकाश ओझा एवं राजीव कुमार सिंह सहित अन्य कर्मी शामिल रहे। इस दौरान अधिकारियों ने घाटों पर बिजली की व्यवस्था, विद्युत कनेक्शन और तारों की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही स्थानीय पूजा समितियों के सदस्यों से बातचीत कर घाटों पर बिजली कनेक्शन के स्रोत और अस्थायी विद्युत तारों की व्यवस्था की जानकारी ली। अधिकारियों ने छठ घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों और आसपास के क्षेत्रों में बिजली के तारों की स्थिति का भी निरीक्षण किया। विद्युत कार्यपालक अभियंता ई. आलोक अमृतांशु ने बताया कि निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य छठ पर्व के दौरान घाटों एवं संपर्क मार्गों पर विद्युत व्यवस्था की जांच करना और संभावित जोखिमों की पहचान करना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए विद्युत सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।



एसआईआर पर एनडीए की पदयात्रा

बीएनएम@ बेतिया। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक बयानबाजी के बीच एनडीए ने जनसंपर्क अभियान शुरू करने की तैयारी की है। आगामी 22 नवंबर से बेतिया में एनडीए कार्यकर्ताओं की पदयात्रा निकाली जाएगी। इसके माध्यम से कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों को एसआईआर की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करेंगे। पदयात्रा की तैयारियों को लेकर सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष चुनाव में जीत मिलने पर एसआईआर को सही बताता है, जबकि हारने पर इसी प्रक्रिया पर सवाल उठाता है। उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि यदि एसआईआर में गड़बड़ी है तो वे लोकसभा में इस मुद्दे पर बहस करें। सांसद ने दावा किया कि एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए नामों को दोबारा जोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि पदयात्रा के दौरान एनडीए नेता और कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर विपक्ष के आरोपों का जवाब देंगे।



दीपों की रोशनी से जगमगाया बगहा, हर्षोल्लास से मनी दीपावली

बीएनएम@ बगहा। बगहा में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। शाम होते ही पूरा शहर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। लोगों ने अपने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों को रंग-बिरंगी लाइटों, दीपों एवं रंगोली से सजाया। बाजारों में दिनभर खरीदारी को लेकर चहल-पहल बनी रही। संध्या होते ही लोगों ने विधि-विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। इसके बाद एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। बच्चों और युवाओं में पटाखों को लेकर खास उत्साह देखा गया। हालांकि, कई लोगों ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए कम पटाखे जलाकर दीपों से पर्व मनाने पर जोर दिया। शहर के मुख्य चौक-चौराहों, मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर भी आकर्षक सजावट की गई थी। देर रात तक लोग परिवार और मित्रों के साथ खुशियां मनाते नजर आए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा और विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। बगहा में दीपावली का पर्व खुशियों, भाईचारे और रोशनी के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

22 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक गिरफ्तार

बीएनएम@ बेतिया। जिले के मटियरिया थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 22 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सोमवार शाम करीब सात बजे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सोनवर्षा गांव में सरभुआ उरांव के घर छापेमारी की। तलाशी के दौरान 22 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से सरभुआ उरांव को गिरफ्तार कर लिया। मटियरिया थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारोबारियों और शराब पीने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

छठ पूजा को लेकर 102 एंबुलेंस सेवा अलर्ट श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम

बीएनएम @ बेतिया

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और घाटों पर होने वाली आवाजाही को देखते हुए पश्चिम चंपारण जिले में संचालित 102 एंबुलेंस सेवा को अलर्ट मोड पर रखा गया है। पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की मेडिकल इमरजेंसी, सड़क दुर्घटना, डूबने की घटना अथवा अन्य स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए एंबुलेंस टीमों को पूरी तरह मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया है। राज्य सरकार के सहयोग से जेनप्लस सर्विसेज द्वारा जिले में 102 एंबुलेंस सेवा का निःशुल्क संचालन किया जा रहा है। छठ पूजा के अवसर पर पश्चिम चंपारण जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु नदी, तालाबों और अन्य जलाशयों के किनारे बने घाटों पर पहुंचते हैं। विशेष रूप से संध्या अर्घ्य और प्रातःकालीन अर्घ्य के दौरान घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इस दौरान बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की बड़ी संख्या में मौजूदगी को देखते हुए अचानक तबीयत बिगड़ने, चक्कर आने, बेहोशी, सांस लेने में परेशानी, पानी में डूबने, फिसलकर चोट लगने तथा सड़क दुर्घटनाओं जैसी आपात स्थितियों की आशंका बनी रहती है। इन संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए 102 एंबुलेंस सेवा की टीमों को विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में वर्तमान में कुल 73 एंबुलेंस संचालित हैं। इनमें 19 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस (एएलएसए), 50 बेसिक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस (बीएलएसए) और 4 शव वाहन शामिल हैं। प्रत्येक एंबुलेंस में चालक के साथ प्रशिक्षित इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) की तैनाती रहती है, जो आपात स्थिति में मरीजों को आवश्यक प्राथमिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में सक्षम हैं। इन एंबुलेंस के माध्यम



से मेडिकल कॉलेज, सदर अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल, रेफरल अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तक मरीजों को पहुंचाने की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। महापर्व छठ पूजा के दौरान घाटों और प्रमुख संपर्क मार्गों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए ऑपरेशन टीम द्वारा एंबुलेंस की उपलब्धता, तैनाती और रिस्पॉन्स टाइम की लगातार निगरानी की जा रही है। जरूरत के अनुसार भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील इलाकों में एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही कॉल सेंटर टीम को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है, ताकि किसी भी आपातकालीन कॉल पर तत्काल कार्रवाई करते हुए जरूरतमंदों तक समय पर चिकित्सा सहायता पहुंचाई जा सके। अक्टूबर 2026 के दौरान पश्चिम चंपारण जिले में 102 एंबुलेंस सेवा के माध्यम से कुल 6,209 मरीजों और जरूरतमंदों को सहायता उपलब्ध कराई गई। इनमें 4,632 गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया गया। इसके अलावा 110 नवजात एवं गंभीर मरीजों, 205 सड़क दुर्घटना पीड़ितों और 1,262 अन्य मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में 102 एंबुलेंस सेवा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छठ पूजा के दौरान भी सेवा को निर्बाध बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति में जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाने के लिए पूरी टीम सक्रिय रहेगी। जेनप्लस सर्विसेज, बिहार के प्रोजेक्ट हेड दीपक श्रीवास्तव ने कहा, "छठ पूजा आस्था और श्रद्धा का महापर्व है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। हमारी प्राथमिकता है कि पर्व के दौरान किसी भी मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में लोगों को तत्काल और भरोसेमंद एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जा सके। इसके लिए ऑपरेशन टीम, एंबुलेंस कर्मियों और कॉल सेंटर टीम को विशेष रूप से सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जरूरतमंद मरीजों को बिना किसी देरी के नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल तक पहुंचाया जा सके।" वहीं, एसीओ नितेश कुमार सिंह ने श्रद्धालुओं से अपील की कि छठ घाटों पर विशेष सावधानी बरतें तथा बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल सहायता लें। जरूरत पड़ने पर 102 पर कॉल कर निःशुल्क एंबुलेंस सेवा का लाभ उठाएं।

छठ घाटों पर सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम, छह संवेदनशील घाट चिह्नित

बीएनएम @ तुरकौलिया

छठ महापर्व के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। अर्घ्य के दौरान घाटों पर उमड़ने वाली भीड़ और गहरे पानी से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा की विशेष योजना तैयार की है। प्रखंड के कुल 39 छठ घाटों में से छह को संवेदनशील घोषित किया गया है। इन घाटों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। प्रशासन का मुख्य जोर संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पहले से ही एहतियाती कदम उठाने पर है। गहरे पानी और खतरनाक घाटों पर बैरिकेडिंग कराई जाएगी। इसके साथ ही जरूरत के अनुसार नाव और गोताखोरों की तैनाती भी की जाएगी।



घाटों पर उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल की व्यवस्था रहेगी। वहीं, घाटों की साफ-सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम भी शुरू कर दिया गया है। इसी क्रम में सदर एसडीओ अरुण कुमार ने विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समय रहते सभी तैयारियां पूरी करने तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया। वहीं, सीओ प्रभात कुमार ने बताया कि प्रखंड के सभी 39 छठ घाटों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इनमें छह संवेदनशील घाटों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। खतरनाक स्थानों पर बैरिकेडिंग के साथ जरूरत के मुताबिक नाव और गोताखोरों की तैनाती की जाएगी, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। मौके पर सीओ प्रभात कुमार, पूर्व प्रमुख सुभाष सिंह कुशवाहा, बद्री पासवान, सत्येंद्रनाथ तिवारी और भोला साह तुरहा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

घर के आगे झोपड़ी में सजा था गांजे का कारोबार, पुलिस ने पिता-पुत्र को दबोचा

पुलिस की छापेमारी में 30 लाख का मादक पदार्थ बरामद, इलेक्ट्रॉनिक तराजू भी जब्त

बीएनएम @ पताही

बांस-फूस की झोपड़ी की आड़ में गांजे का अवैध कारोबार चल रहा था। इसकी भनक लगते ही पताही पुलिस ने छापेमारी कर तस्करी के इस धंधे का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से 13 किलो 980 ग्राम गांजा बरामद करते हुए पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 30 लाख रुपये आंकी गई है। मौके से गांजा तौलने में इस्तेमाल होने वाली इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन भी जब्त की गई है। जानकारी के अनुसार, नौ नवंबर को पताही थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार को गुप्त सूचना मिली कि जिहुली पंचायत के वार्ड संख्या- 04 निवासी जयलाल राउत अपने पुत्र ओमप्रकाश कुमार के साथ घर के सामने बनी बांस-फूस की झोपड़ीनुमा संरचना में गांजे की खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने वरीय अधिकारियों को इसकी जानकारी दी और पुलिस टीम के साथ बताए गए ठिकाने पर छापेमारी की। पुलिस की तलाशी के दौरान झोपड़ी से 13 किलो 980 ग्राम गांजा और एक इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने मौके से ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जिहुली गांव निवासी



जयलाल राउत और उसके पुत्र ओमप्रकाश कुमार के रूप में हुई है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार के अलावा पुलिस पदाधिकारी हेमशंकर यादव, पचरतन सिंह, अरसद आयूब अंसारी सहित डीएपी एवं पुलिस बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि गांजे की आपूर्ति कहां से की जा रही थी और इस कारोबार में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों के कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

बाल विवाह मुक्त समाज की मुहिम तेज, सेविकाओं को किया गया जागरूक

बीएनएम@ छौड़ादानों

समाज से बाल विवाह और महिला उत्पीड़न जैसी सामाजिक कुरीतियों को जड़ से मिटाने तथा महिलाओं एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से मंगलवार को छौड़ादानो प्रखंड सभागार में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला महिला एवं बाल विकास निगम, मोतिहारी की टीम ने प्रखंड क्षेत्र की आंगनबाड़ी सेविकाओं को बाल विवाह की रोकथाम, महिला उत्पीड़न के विरुद्ध कानूनी प्रावधानों तथा सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए टीम के सदस्यों ने कहा कि बाल विवाह और महिला उत्पीड़न केवल सामाजिक कुरीतियां नहीं हैं, बल्कि ये समाज के समग्र विकास में भी बड़ी बाधा हैं। बाल विवाह से बच्चों का बचपन छिन जाता है तथा उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य पर प्रतिकूल



प्रभाव पड़ता है। वहीं, महिला उत्पीड़न महिलाओं के सम्मान, आत्मसम्मान और स्वतंत्रतापूर्वक जीवन जीने के अधिकार का हनन है। इन बुराइयों को समाप्त करने के लिए कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। आंगनबाड़ी सेविकाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा गया कि उनकी पहुंच गांव-गांव और घर-घर तक है। ऐसे में वे बाल विवाह एवं महिला उत्पीड़न की रोकथाम में प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। सेविकाओं से अपने कार्यक्षेत्र में परिवारों को जागरूक करने, बाल विवाह की तैयारी अथवा महिला उत्पीड़न की किसी घटना की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित करने तथा पीड़ित महिलाओं एवं बच्चों को आवश्यक सहायता और कानूनी संरक्षण दिलाने में सहयोग करने की अपील की गई। इस दौरान बाल विवाह निषेध अधिनियम के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। ऐसे विवाह में शामिल अभिभावकों, परिजनों, विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहितों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के तहत कार्रवाई का प्रावधान है। टीम के सदस्यों ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और बेहतर भविष्य में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। इसलिए इस कुप्रथा के खिलाफ समाज को एकजुट होकर आगे आना होगा। महिला उत्पीड़न के विभिन्न स्वरूपों पर चर्चा करते हुए घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, छेड़खानी और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार की हिंसा और प्रताड़ना को चुपचाप सहने के बजाय उसके विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही समाज के लोगों से पीड़ित महिलाओं का सहयोग करने की अपील की गई, ताकि वे बिना किसी भय और संकोच के न्याय प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम में महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस आपातकालीन सेवा 112 तथा वन स्टॉप सेंटर की सुविधाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। सेविकाओं से इन हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और जरूरतमंद महिलाओं एवं बच्चों तक सरकारी सहायता एवं संरक्षण पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। मौके पर महिला एवं बाल विकास निगम के निर्भय कुमार, रितेश कुमार, सीडीपीओ रेखा कुमारी, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर प्रतिभा कुमारी सहित प्रखंड क्षेत्र की दर्जनों आंगनबाड़ी सेविकाएं उपस्थित रहीं।

4 लाख से अधिक पेंशनधारियों के खाते में पहुंचे 44 करोड़ रुपये

बीएनएम@ बेतिया

बेतिया। बिहार सरकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत मंगलवार को पश्चिम चंपारण जिले के 4,00,321 पेंशनधारियों के बैंक खातों में कुल 44 करोड़ 3 लाख 53 हजार रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बेतिया समाहरणालय स्थित एनआईसी कक्ष में किया गया। सरकार की नई व्यवस्था के तहत अब प्रत्येक महीने की 10 तारीख को लाभार्थियों के खातों में पेंशन राशि भेजी जाएगी। साथ ही मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाकर 1,100 रुपये कर दी गई है। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने कहा कि पेंशन



राशि में वृद्धि और निर्धारित तारीख पर नियमित भुगतान का निर्णय गरीब, वृद्ध, दिव्यांग एवं निराश्रित महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इससे जरूरतमंदों को आर्थिक मजबूती मिलेगी और सम्मानजनक जीवन जीने में सहायता होगी। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पेंशन भुगतान में किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक बाधा आने पर तत्काल समाधान किया जाए, ताकि कोई पात्र लाभार्थी योजना के लाभ से वंचित न रहे। कार्यक्रम में मौजूद पेंशनधारियों ने बढ़ी हुई राशि और नियमित भुगतान की व्यवस्था पर खुशी जताई। मौके पर प्रभारी अपर समाहर्ता अमरेंद्र कुमार, अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, वरीय उप समाहर्ता सह सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पेंशनधारी उपस्थित रहे।

एसएसबी ने जनजातीय समूहों को दी तेल निकालने की मशीन

बीएनएम@ बेतिया

बेतिया। जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 44वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), नरकटियागंज ने सराहनीय पहल की है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 9 नवंबर 2026 को कमांडेंट बलवंत सिंह नेगी के नेतृत्व में वाइब्रेंट विलेज गम्हरिया में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज के सहयोग से जनजातीय समाज के तीन गांवों के तीन समूहों को तेल निकालने वाली मशीनें वितरित की गईं। प्रत्येक समूह में दस सदस्य शामिल हैं। इस पहल से कुल 30 लाभार्थियों को स्वरोजगार का अवसर मिलेगा। मशीनों के माध्यम से लाभार्थी स्थानीय स्तर पर तेल उत्पादन एवं प्रसंस्करण का कार्य शुरू कर सकेंगे,



जिससे उनकी आय बढ़ने के साथ रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और जनजातीय समाज के उत्थान में उनके योगदान को याद किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों ने लाभार्थियों को मशीनों के संचालन, आधुनिक तकनीक और कृषि आधारित स्वरोजगार की संभावनाओं की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों का विकास तकनीकी प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने से ही संभव है। मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. भूषण कुमार सिंह, एसएसबी के सहायक कमांडेंट गुलाब यादव सहित अन्य अधिकारी, जवान और ग्रामीण लाभार्थी मौजूद रहे। 44वीं वाहिनी एसएसबी सीमावर्ती एवं जनजातीय क्षेत्रों में विकास, जनकल्याण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्यक्रम संचालित कर रही है।

प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता

जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रहते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जन समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। सड़कों पर उतरे असंतोष की चपेट में आने वाला सबसे नया देश इंडोनेशिया बना है। इससे पहले फ्रांस से लेकर अर्जेंटीना और इटली से लेकर ट्यूनिशिया तक में छात्र और युवाओं ने सड़कों पर उतर कर वहां मौजूद हालात पर अपना विरोध जताया है। इस सिलसिले में यह वाजिब राय बनी है कि दुनिया के अलग-अलग कोनों से जन प्रदर्शनों और आंदोलनों की आ रही तस्वीरें दरअसल एक बड़े वैश्विक संकट और बढ़ते जा रहे युवा असंतोष की ओर इशारा करती हैं। यूरोप के समृद्ध देशों में भी बढ़ती महंगाई शिक्षा के गिरते स्तर से असंतुष्ट नौजवान सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं। लगभग हर जगह वे संस्थानों से निष्पक्षता, पारदर्शिता, और अपने लिए बेहतर भविष्य की मांग कर रहे हैं। फ्रांस में स्कूलों की खराब स्थिति, बेल्जियम, ग्रीस और अर्जेंटीना में उच्च शिक्षा बजट में कटौती, और स्पेन एवं पुर्तगाल में मकान किराये में बेलगाम बढ़ोतरी ने नौजवानों में गुस्सा भड़काया है। अल्बानिया में छात्रों ने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है और शिक्षा सुधारों की मांग कर रहे हैं, जबकि ट्यूनिशिया में आर्थिक तंगी के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों और सिकुड़ती गई स्वतंत्रताओं को लेकर गहरा आक्रोश है। इंडोनेशिया में महंगाई ने नौजवानों को सड़क पर आने के लिए विवश किया है। स्पष्ट है कि ये आंदोलन छिटपुट घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वर्तमान आर्थिक और संस्थागत ढांचों के प्रति नई पीढ़ी में गहराए अविश्वास का परिणाम हैं। नव-उदारवाद के दौर में दुनिया भर में शिक्षा के व्यापारीकरण हुआ है, वहीं मकान, बिजली, और रोजगार के अवसर आदि युवाओं की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रह जाते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। अतः आंसू गैस, वॉटर कैनन, या धर-पकड़ जैसे बल प्रयोग से जन आक्रोश को दबाने का तरीका अस्थायी रूप से ही कारगर हो सकता है। सत्ताधारियों ने यह बात नहीं समझी, तो वे अधिक बड़ी उथल-पुथल को आमंत्रित करेंगे। और यह बात हर देश पर लागू होती है!

आर.के. सिन्हा : कर्म और सरोकारों की विरासत

कुमार कृष्णन

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनकी पहचान किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहती। वे अपने समय में अलग-अलग भूमिकाओं के माध्यम से समाज और सार्वजनिक जीवन पर अपनी छाप छोड़ते हैं। डॉ. रविन्द्र किशोर सिन्हा यानी आर.के. सिन्हा ऐसे ही व्यक्तित्व थे। पत्रकारिता से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले आर.के. सिन्हा ने उद्यमिता, राजनीति, समाजसेवा, कृषि और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई। 30 अक्टूबर 2026 को उनके निधन का समाचार मिला तो उनसे जुड़ी कई स्मृतियां एक साथ मन में उभर आईं। मेरे लिए उनका जाना केवल एक सार्वजनिक व्यक्तित्व का अवसान नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति से जुड़ी स्मृतियों का भावुक कर देने वाला प्रसंग है, जिनसे मेरा लेखकीय संबंध भी रहा। आर.के. सिन्हा से मेरा परिचय उनकी पत्रिका 'यथावत' के माध्यम से भी रहा। मैं इस पत्रिका में लिखता था।किसी पत्रिका से लेखक का रिश्ता केवल अपनी रचनाओं के प्रकाशन तक सीमित नहीं होता। उसके पीछे विचारों का आदान-प्रदान, संपादकीय दृष्टि और संवाद की एक परंपरा भी होती है। 'यथावत' से मेरा जुड़ाव इसी अर्थ में महत्वपूर्ण रहा। पत्रकारिता की दुनिया में आर.के. सिन्हा की अपनी पहचान थी और उनके व्यक्तित्व में पत्रकारिता के शुरुआती दिनों की स्मृतियां भी मौजूद थीं। वरिष्ठ पत्रकार रायबहादुर राय के साथ उनसे मुलाकात हुई थी। पत्रकारिता के लंबे अनुभव से जुड़े लोगों के बीच संवाद का एक अलग ही संसार होता है। खबरों के पीछे की परिस्थितियां, पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और सार्वजनिक जीवन के अनुभव बातचीत के स्वाभाविक विषय बन जाते हैं। आर.के. सिन्हा से मुलाकात भी मेरे लिए इसी तरह की स्मृति है। उनसे परिचय का एक सूत्र पत्रकारिता था और दूसरा सार्वजनिक जीवन में उनकी सक्रियता। उनसे मेरी आखिरी मुलाकात अयोध्या स्थित आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हुई थी। वहां स्वस्थ भारत न्यास की ओर से आशुतोष कुमार सिंह द्वारा आयोजित स्वास्थ्य संसद में हम शामिल हुए थे। उस अवसर पर मेरे साथ समाजसेवी राकेश कुमार मंडल भी थे। स्वास्थ्य जैसे बुनियादी जनसरोकार के विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में आर.के. सिन्हा से फिर मिलने का अवसर मिला। तब यह अनुमान नहीं था कि उनसे यह मेरी अंतिम मुलाकात होगी। जीवन में कुछ मुलाकातें उस समय सामान्य लगती हैं, लेकिन बाद में वे स्मृतियों की अमूल्य धरोहर बन जाती हैं। अयोध्या की वह मुलाकात अब मेरे लिए ऐसी ही स्मृति है। आर.के. सिन्हा का जीवन कई पड़ावों से होकर गुजरा। उनका जन्म 22 सितंबर 1951 को बिहार में हुआ था। उन्होंने पत्रकारिता से अपने पेशेवर जीवन की शुरुआत की। अपराध और राजनीतिक विषयों की रिपोर्टिंग के साथ उन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान युद्ध संवाददाता के रूप में भी काम किया। युद्ध के मोर्चे से रिपोर्टिंग करना उस समय आसान काम नहीं था। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच घटनाओं को समझना, तथ्यों को जुटाना और उन्हें पाठकों तक पहुंचाना पत्रकारिता के साहस और पेशेवर प्रतिबद्धता की मांग करता था। आर.के. सिन्हा ने अपने शुरुआती जीवन में इस चुनौती का सामना किया। उनका पत्रकार जीवन केवल समाचार लेखन तक सीमित नहीं था। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चले छात्र आंदोलन को लेकर उनकी पुस्तक 'जन आंदोलन' उनके लेखकीय सरोकारों का परिचय देती है। सत्तर के दशक का छात्र आंदोलन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। उस आंदोलन ने राजनीतिक सत्ता, नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक जवाबदेही को लेकर देशव्यापी बहस पैदा की थी। आर.के. सिन्हा ने इस आंदोलन को पुस्तक के माध्यम से दर्ज करने का प्रयास किया। इससे उनकी राजनीतिक और सामाजिक घटनाओं को समझने की रुचि का पता चलता है। पत्रकारिता से उद्यमिता की ओर उनका जाना जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। वर्ष 1974 में उन्होंने सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज यानी एसआईएस की स्थापना की। इसके पीछे एक व्यावहारिक सामाजिक विचार था। 1971 के युद्ध के बाद बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक सेवानिवृत्त होकर नागरिक जीवन में लौट रहे थे। उनके पास अनुशासन, प्रशिक्षण और सुरक्षा संबंधी अनुभव था, लेकिन उनके पुनर्वास और रोजगार की चुनौती भी थी। आर.के. सिन्हा ने इस अनुभव को निजी सुरक्षा सेवा के क्षेत्र से जोड़ने की संभावना देखी। पटना से एक छोटी शुरुआत के रूप में स्थापित एसआईएस आगे चलकर देश की प्रमुख निजी सुरक्षा सेवा कंपनियों में शामिल हो गई। इस समूह ने सुरक्षा सेवाओं के साथ अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में भी विस्तार किया। किसी संस्थान की स्थापना करना और उसे लंबे समय तक टिकाऊ संगठन के रूप में विकसित करना केवल पूंजी का प्रश्न नहीं होता। इसके लिए संगठन क्षमता, जोखिम उठाने का साहस और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने की क्षमता चाहिए। आर.के. सिन्हा ने इन गुणों के सहारे अपनी उद्यमी पहचान बनाई। उनकी इस यात्रा का एक उल्लेखनीय पक्ष पूर्व सैनिकों को रोजगार से जोड़ने की पहल थी। सेना से लौटे लोगों के अनुभव और कौशल का उपयोग नागरिक अर्थव्यवस्था में होना चाहिए, यह विचार आज भी प्रासंगिक है। एसआईएस का विस्तार इसी सोच से जुड़ी एक व्यावसायिक पहल के रूप में देखा जा सकता है। इसने निजी सुरक्षा सेवाओं को एक संगठित उद्योग के रूप में विकसित करने में भी भूमिका निभाई। लेकिन आर.के. सिन्हा को केवल एक सफल उद्यमी के रूप में याद करना उनके व्यक्तित्व के दूसरे महत्वपूर्ण पक्षों की अनदेखी होगी। समाजसेवा उनके सार्वजनिक जीवन का एक उल्लेखनीय हिस्सा थी। बिहार और झारखंड में कौशल विकास, रोजगार सृजन, सामुदायिक विवाह, सार्वजनिक पुस्तकालय, निःशुल्क एंबुलेंस सेवा और बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे कार्यों में उनकी सक्रियता रही। एसआईएस की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, उनके नेतृत्व में समूह तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने दो लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया और वंचित वर्गों के एक लाख से अधिक लोगों को स्थायी रोजगार उपलब्ध कराने में योगदान किया। इन आंकड़ों का महत्व इसलिए भी है कि रोजगार केवल किसी व्यक्ति की आय का साधन नहीं, बल्कि परिवार की गरिमा, बच्चों की शिक्षा और सामाजिक आत्मनिर्भरता का आधार होता है। दहेजमुक्त सामूहिक विवाह जैसे आयोजन सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध एक व्यावहारिक पहल थे। दहेज भारतीय समाज की ऐसी समस्या है, जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर असमान बोझ डालती है। विवाह को प्रदर्शन और आर्थिक प्रतिस्पर्धा से मुक्त कर सामुदायिक सहयोग तथा सामाजिक सम्मान से जोड़ने की कोशिश अपने आप में महत्वपूर्ण है। इसी तरह सार्वजनिक पुस्तकालयों की स्थापना ज्ञान और शिक्षा तक आम लोगों की पहुंच बढ़ाने का माध्यम है। निःशुल्क एंबुलेंस सेवा और आपदा राहत के कार्य संकट के समय समाज के कमजोर लोगों तक सहायता पहुंचाने की जरूरत को रेखांकित करते हैं। उनके व्यक्तित्व का एक और महत्वपूर्ण पक्ष कृषि, पर्यावरण और भोजन की शुद्धता से जुड़ा था। उन्होंने 'विषमुक्त आहार' यानी कीटनाशक मुक्त और प्राकृतिक कृषि उत्पादों को प्रोत्साहित करने की पहल की। एसआईएस की आधिकारिक जानकारी के अनुसार, देहरादून, बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में सौ एकड़ से अधिक क्षेत्र में चार कृषि फार्म पारंपरिक कृषि पद्धतियों के माध्यम से शुद्ध और प्राकृतिक उत्पाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किए गए। यह पहल केवल जैविक खेती तक सीमित नहीं थी, बल्कि भोजन, स्वास्थ्य, मिट्टी और पर्यावरण के आपसी संबंध को समझने का प्रयास भी थी। आज खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल, मिट्टी की उर्वरता में गिरावट और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ रही है। ऐसे समय में विषमुक्त आहार और प्राकृतिक खेती का सवाल केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं रह जाता। इसका संबंध किसानों की लागत, कृषि की टिकाऊ व्यवस्था, जल और मिट्टी के संरक्षण तथा आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से भी है। आर.के. सिन्हा ने इस दिशा में खेती और उपभोक्ता के बीच एक वैकल्पिक संबंध बनाने की कोशिश की। मोटे अनाज के प्रति जागरूकता फैलाने का उनका अभियान विशेष रूप से उल्लेखनीय था। ज्वार, बाजरा, रागी, मडुआ, कोदो और अन्य पारंपरिक अनाज कभी भारतीय भोजन का अभिन्न हिस्सा हुआ करते थे। लेकिन बदलती खाद्य आदतों और बाजार की प्राथमिकताओं ने धीरे-धीरे इन्हें हमारी थाली से दूर कर दिया। आर.के. सिन्हा का मानना था कि मोटे अनाज को फिर से लोकप्रिय बनाना जरूरी है। यह केवल खानपान की पुरानी परंपरा को वापस लाने का मामला नहीं, बल्कि पोषण, किसान की आय और कृषि विविधता से जुड़ा व्यापक अभियान है। उन्होंने अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि बहियारा-आरा क्षेत्र में स्वदेशी तथा ग्रामीण व्यवसायों को बढ़ावा देने के प्रयासों के साथ मिलेट अभियान को भी आगे बढ़ाया। इस अभियान का उद्देश्य मोटे अनाज को गांवों से शहरों तक पहुंचाना और लोगों को इसके उपयोग के लिए प्रेरित करना था। गांधी दर्शन से जुड़े मिलेट्स महोत्सव और कार्यशालाओं के माध्यम से भी मोटे अनाज के प्रति जागरूकता का प्रयास हुआ। उन्होंने सार्वजनिक मंचों पर इस बात पर जोर दिया कि हमारी पारंपरिक खाद्य संस्कृति में ज्वार-बाजरा जैसे अनाज का महत्वपूर्ण स्थान रहा है और आधुनिक जीवन में भी उनकी उपयोगिता बनी हुई है। मोटे अनाज की खासियत यह है कि वे पोषण के साथ कृषि की विविधता को भी बढ़ावा देते हैं। इनमें से अनेक फसलें कम पानी में उगाई जा सकती हैं और स्थानीय जलवायु के अनुकूल होती हैं। जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा और भूजल संकट के दौर में ऐसी फसलों का महत्व और बढ़ जाता है।

भारत की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन : आत्मनिर्भर भारत की रफ्तार को मिलेगी नई पहचान

विनोद सिंह 'तकियावाला'

भारत की विकास यात्रा में परिवहन व्यवस्था का आधुनिकीकरण आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और राष्ट्रीय संपर्क को नई गति देने का महत्त्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। सड़क, रेल, हवाई और जल परिवहन के क्षेत्र में आधुनिक बुनियादी ढाँचे का विस्तार देश को विकसित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में आधार तैयार कर रहा है। इसी क्रम में भारत की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन का निर्माण भारतीय रेल के इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि बनने जा रहा है। यह परियोजना केवल तेज गति से रेल परिचालन की शुरुआत नहीं है,बल्कि देश की तकनीकी क्षमता, इंजीनियरिंग कौशल, विनिर्माण सामर्थ्य और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का भी प्रतीक है। मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना के लिए इस भारत निर्मित बुलेट ट्रेन का निर्माण कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) की निर्माण इकाई में किया जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे भारतीय परिस्थितियों, यात्रियों की आवश्यकताओं, सुरक्षा मानकों और आराम को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। आधुनिक तकनीक और स्वदेशी विशेषज्ञता के समन्वय से तैयार हो रही यह ट्रेन भारत को हाईस्पीड रेल तकनीक के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान स्थापित करने का अवसर प्रदान करेगी। रफ्तार और क्षमता का आधुनिक संगम इस बुलेट ट्रेन की अधिकतम परीक्षण गति 280 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है, जबकि इसकी परिचालन गति 249 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। लगभग 202 मीटर लंबी इस ट्रेन में आठ कोच होंगे। इनमें चार मोटर कार और चार ट्रेलर कार शामिल हैं। ट्रेन की अनुमानित यात्री क्षमता लगभग 557 होगी। दिव्यांगजन और विशेष आवश्यकता वाले यात्रियों के लिए भी दो स्थान निर्धारित किए गए हैं। इसमें सात कोच सामान्य श्रेणी के होंगे, जिनमें 3×2 सीटों की व्यवस्था रहेगी, जबकि एक एक्जीक्यूटिव श्रेणी का कोच होगा, जिसमें 2×2 सीटें उपलब्ध होंगी। भविष्य में यात्रियों की बढ़ती संख्या और परिचालन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दो आठ-कोच वाली ट्रेनों को जोड़कर 16 कोच की ट्रेन भी बनाई जा सकेगी। यह व्यवस्था परिवहन क्षमता बढ़ाने और यात्रियों की मांग के अनुरूप परिचालन को अधिक लचीला बनाने में सहायक होगी। ट्रेन के दोनों सिरों पर चालक केबिन बनाए गए हैं। इनमें इंटेलिजेंट ऑन-बोर्ड कंट्रोल प्रणाली होगी, जो त्वरित निर्णय लेने और परिचालन नियंत्रण केंद्र के साथ समन्वय स्थापित करने में मदद करेगी। इस प्रकार ट्रेन की डिजाइन में गति के साथ परिचालन दक्षता और सुरक्षा को भी महत्त्व दिया गया है। यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता आधुनिक रेल परिवहन की सफलता केवल उसकी गति से नहीं, बल्कि यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं और यात्रा के अनुभव से भी निर्धारित होती है। इस दृष्टि से बुलेट ट्रेन के आंतरिक हिस्से को विशेष रूप से आरामदायक बनाया गया है। सीटों का डिजाइन भारतीय यात्रियों की शारीरिक संरचना और आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है। पर्याप्त लेगरूम, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, एलईडी प्रकाश, ऊपर सामान रखने के लिए रैक और बड़े सामान के लिए फर्श पर अलग स्थान उपलब्ध कराया गया है। प्रत्येक सीट के पास मोबाइल फोन और लैपटॉप चार्ज करने के लिए पावर आउटलेट की सुविधा होगी। आधुनिक बायो-डाइजेस्टर शौचालयों की व्यवस्था की गई है, जिससे अपशिष्ट का पर्यावरण अनुकूल तरीके से निस्तारण किया जा सके। प्रत्येक सीट वाली पंक्ति के पास चौड़ी खिड़कियाँ होंगी, ताकि यात्री यात्रा के दौरान बाहर के प्राकृतिक दृश्यों का आनंद ले सकें। कोचों के बीच विशेष रूप से डिजाइन किया गया सीलबंद गैंगवे यात्रियों को एक कोच से दूसरे कोच तक आसानी से आने-जाने की सुविधा देगा। ये सुविधाएँ लंबी दूरी की यात्रा को अधिक आरामदायक और सुविधाजनक बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। डिजिटल तकनीक से जुड़ेंगे यात्री डिजिटल इंडिया के दौर में यात्रियों को सूचना और संचार की आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। इस बुलेट ट्रेन में व्यापक यात्री सूचना प्रणाली विकसित की गई है। कोचों के भीतर लगे एलसीडी डिस्प्ले के माध्यम से यात्रियों को हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में आवश्यक जानकारियाँ मिलेंगी। सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली और स्वचालित घोषणाओं के जरिए यात्रा से संबंधित सूचनाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। आपातकालीन परिस्थितियों में यात्रियों की सुविधा के लिए कोचों और प्रवेश मार्गों पर विशेष टॉक-बैक उपकरण लगाए जाएँगे, जिनके माध्यम से यात्री सीधे ट्रेन कर्मचारियों से संपर्क कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त वाई-फाई आधारित यात्री मनोरंजन प्रणाली भी उपलब्ध होगी, जिससे यात्री पहले से उपलब्ध कराई गई मनोरंजन सामग्री का उपयोग कर सकेंगे। इन व्यवस्थाओं से यात्रा के दौरान सूचना, सुरक्षा और मनोरंजन का बेहतर समन्वय स्थापित होगा। दिव्यांगजनों के लिए समावेशी व्यवस्था आधुनिक परिवहन व्यवस्था तभी सार्थक मानी जा सकती है, जब उसका लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचे। इसी उद्देश्य से बुलेट ट्रेन के डिजाइन में सुगम्यता को विशेष महत्त्व दिया गया है। ट्रेन के फर्श और प्लेटफॉर्म की ऊँचाई को समान रखने की व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रियों को चढ़ने और उतरने में परेशानी न हो। दरवाजों में लगाए गए पीछे हटने वाले पायदान ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच की क्षैतिज दूरी को कम करने में मदद करेंगे। व्हीलचेयर के आवागमन के अनुकूल दरवाजे, दिव्यांगजनों के लिए विशेष सीटें और शौचालय तथा ब्रेल लिपि में सूचना संकेतक इस बात का प्रमाण हैं कि आधुनिक परिवहन में किसी भी यात्री को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। हर मौसम में आरामदायक सफर भारत में गर्मी, सर्दी और आर्द्रता की परिस्थितियाँ अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्न होती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए ट्रेन में अत्याधुनिक हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग यानी एचवीएसी प्रणाली लगाई गई है। प्रत्येक कोच में दो एचवीएसी इकाइयाँ होंगी, जो आंतरिक तापमान और आर्द्रता को नियंत्रित कर यात्रियों को मौसम के अनुरूप आरामदायक वातावरण उपलब्ध कराएँगी। इसका उद्देश्य बाहरी मौसम की परिस्थितियों से अलग ट्रेन के भीतर सुखद और संतुलित वातावरण बनाए रखना है। कम शोर और अधिक सुगम यात्रा तेज गति से चलने वाली ट्रेनों में ध्वनि और कंपन को नियंत्रित करना तकनीकी दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है। इस बुलेट ट्रेन में शोर कम करने के लिए विशेष साउंड इंसुलेशन, कोच बॉडी और फर्श की संरचना में ध्वनि अवरोधक सामग्री तथा नॉइज डैम्पिंग कोटिंग का उपयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त पहियों के नीचे स्थित बोगियों को ढकने वाले कवर, स्कर्ट और विशेष फेयरिंग लगाए गए हैं। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य तेज रफ्तार के दौरान हवा और बाहरी वातावरण से उत्पन्न शोर को कम करना तथा यात्रियों को अधिक शांत और सुगम यात्रा का अनुभव देना है। ऊर्जा दक्षता और आधुनिक इंजीनियरिंग इस ट्रेन का संचालन 25 किलोवोल्ट, 50 हर्ट्ज सिंगल फेज एसी विद्युत प्रणाली के माध्यम से होगा।

लोकतंत्र की चिंता या राजनीतिक दबाव की नई रणनीति?

सौरभ वार्ष्णेय

लोकतंत्र में चुनाव आयोग की निष्पक्षता जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उसकी संवैधानिक स्वतंत्रता और संस्थागत गरिमा को बनाए रखना भी है। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जन-महाभियोग जैसा अभियान चलाना कोई सामान्य राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर और असाधारण परिस्थिति का संकेत है। सवाल यह है कि क्या राजनीतिक असहमति को इस स्तर तक ले जाना उचित है और क्या इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास मजबूत होगा? कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जन-महाभियोग प्रस्ताव कार्यक्रम के माध्यम से केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कांग्रेस की चुनाव आयुक्त से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, बल्कि उसकी लड़ाई निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र की रक्षा के लिए है। खड़गे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के निर्देश पर चुनाव आयोग काम कर रहा है तथा देश में मताधिकार की स्वतंत्रता प्रभावित हो रही है। इन आरोपों के बीच उन्होंने विपक्ष की ओर से लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी व्यक्त किया। निश्चित रूप से चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थान की निष्पक्षता पर सवाल उठना गंभीर विषय है, लेकिन इस विषय को समझने के लिए राजनीतिक आरोपों से आगे बढ़कर तथ्यों और संवैधानिक मर्यादाओं का परीक्षण करना आवश्यक है।भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव केवल सरकार बनाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनता की राजनीतिक इच्छा और संवैधानिक अधिकारों की अभिव्यक्ति हैं। चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी संविधान ने सौंपी है। इसलिए उसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं है। विपक्ष को यह अधिकार है कि वह चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, पक्षपात या मतदाता अधिकारों के उल्लंघन के विरुद्ध आवाज उठाए। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ राजनीतिक मंचों से लगातार आरोप लगाने और जन-महाभियोग जैसी पहल करने से समस्या का समाधान निकल सकता है?महाभियोग की अवधारणा अपने आप में अत्यंत गंभीर है। यह किसी राजनीतिक असहमति का सामान्य हथियार नहीं, बल्कि संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया से जुड़ा विषय है। मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की प्रक्रिया भी संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप है। इसके



लिए संसद में विशेष बहुमत की संवैधानिक प्रक्रिया आवश्यक होती है। ऐसे में किसी व्यक्ति के खिलाफ जन-महाभियोग का राजनीतिक अभियान चलाना और वास्तविक संवैधानिक महाभियोग की प्रक्रिया अलग-अलग बातें हैं। जनता के बीच विरोध दर्ज कराना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसे संवैधानिक प्रक्रिया का विकल्प नहीं माना जा सकता। यह भी समझना होगा कि किसी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस तरह का अभियान चलाना कोई सामान्य राजनीतिक घटना नहीं है। इससे देश और विदेश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठ सकते हैं। यदि चुनाव आयोग वास्तव में किसी प्रकार की अनियमितता कर रहा है तो उसके प्रमाण सार्वजनिक किए जाने चाहिए। चुनावी आंकड़ों, मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर ठोस सवाल उठाए जाने चाहिए। विपक्ष को संसद, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक मंचों का इस्तेमाल करना चाहिए। केवल राजनीतिक भाषणों और आरोपों से किसी संस्था की निष्पक्षता प्रमाणित या खारिज नहीं की जा सकती। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष की भी यह जिम्मेदारी है कि वह विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक हताशा बताकर खारिज न करे।

लोकतंत्र में विपक्ष केवल चुनाव लडऩे और सरकार बदलने के लिए नहीं होता, बल्कि वह सत्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाली महत्वपूर्ण शक्ति है। यदि विपक्ष चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहा है तो सरकार और आयोग को तथ्यों के आधार पर जवाब देना चाहिए। पारदर्शिता से बचने या सवाल पूछने वालों को राजनीतिक विरोधी बताने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करती है। वास्तविक चिंता यह है कि देश की राजनीति में संवैधानिक संस्थाएं भी आरोप-प्रत्यारोप के केंद्र में आती जा रही हैं। कभी संसद की कार्यवाही पर सवाल उठते हैं, कभी न्यायपालिका की टिप्पणियों को राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है और कभी चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर विवाद खड़ा होता है। ऐसी परिस्थितियां किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। संवैधानिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा किसी सरकार या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं होती। उनका सम्मान और स्वतंत्रता पूरे देश की सामूहिक जिम्मेदारी है। खड़गे की पहल को केवल राजनीतिक विरोध कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा और उसे लोकतंत्र की रक्षा का अंतिम रास्ता मान लेना भी सही नहीं है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन विरोध की भी एक संवैधानिक मर्यादा होती है। किसी पदाधिकारी को हटाने की मांग करने से पहले आरोपों की प्रमाणिकता, प्रक्रिया की वैधता और उसके परिणामों पर गंभीर विचार होना चाहिए। अन्यथा संस्थाओं के प्रति अविश्वास की ऐसी राजनीति जन्म ले सकती है, जिसका नुकसान अंततः आम मतदाता को उठाना पड़ेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता को केवल बयानों से नहीं, बल्कि पारदर्शी कार्यप्रणाली और जवाबदेही से साबित करे। विपक्ष भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए आरोपों के साथ ठोस प्रमाण प्रस्तुत करे। सरकार को चाहिए कि वह चुनावी व्यवस्था से जुड़े हर संदेह का समाधान लोकतांत्रिक संवाद के माध्यम से करे। आखिरकार चुनाव आयोग किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के मताधिकार का संरक्षक है।लोकतंत्र में किसी के खिलाफ जन महाभियोग जैसी असाधारण पहल होना अपने आप में सुखद स्थिति नहीं कही जा सकती। यह राजनीतिक व्यवस्था में गहरे अविश्वास और संवाद की कमी का संकेत है। लेकिन इससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तब होगी, जब चुनाव जैसी लोकतंत्र की बुनियादी प्रक्रिया पर जनता का भरोसा कमजोर पड़ जाए।



मेष राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज परिवारजनों के साथ पार्टी करेंगे। विद्यार्थी आज काम और पढ़ाई में बैलेंस बनाकर चलेंगे। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। राजनीति में आपकी छबी मजबूत बनेगी, ज्यादा लोगों से आप जुड़ेंगे। सहयोगियों से हर संभव मदद मिलती रहेगी।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा गुजरेगा। शिक्षक आज किसी मीटिंग में शामिल होंगे। वर्क फ्रॉम होम कर रही महिलाओं का काम अच्छा चलेगा। अगर आप बिजनेस को और आगे बढ़ाना चाहते हैं तो किसी अनुभवी से सलाह करना ज्यादा बेहतर रहेगा। आज आपको नकारात्मक विचारों से दूरी बनाकर रखने की जरूरत है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज बेटी के करियर को लेकर, उनके शिक्षकों से विचार-विमर्श करेंगे। आज स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते है आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। कुछ निजी मामलों में थोड़ा भावुक होंगे, लेकिन ज्यादा भावुक होने से बचें।

कर्क राशि : आज का दिन कार्य क्षेत्र में अच्छा लाभ दिलाने वाला है। संतान की चिंता कम होगी, अच्छी जॉब लगने से घर में उत्सव सा माहौल बना रहेगा। नया वाहन खरीदने की उत्सुकता आपके मन में रहेगी। आयात-निर्यात का काम कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी। आज आपको उधार के लेन-देन से बचना चाहिए। धैर्य रखने से रुके हुए कार्यों को पूरा करेंगे।

सिंह राशिःआज आपका दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आएगा। किसानों को अपने श्रम का अच्छा लाभ मिलेगा। आपका स्वास्थ्य रोज की अपेक्षा अच्छा रहने वाला है। पारिवारिक परिस्थितियों में पहले से बेहतर सुधार आयेगा। आप किसी के साथ फालतू वाद विवाद में न पड़ें। थोड़

बारिश ने चौथे दिन का खेल धोया, भारत ए-न्यूजीलैंड ए के बीच ड्रॉ रही टेस्ट सीरीज

एजेंसी, लिंकन



भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेली गई तीन मैचों की अनौपचारिक टेस्ट सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला भी ड्रॉ पर समाप्त हो गया। चौथे दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो सका और इसके साथ ही पूरी सीरीज भी बराबरी पर खत्म हुई। चार दिवसीय तीनों मुकाबलों में कोई नतीजा नहीं निकल सका। मैच के चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ए ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 36 रन बनाए थे। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट 10 और जैक गिब्सन एक रन बनाकर नाबाद थे। न्यूजीलैंड ए को जीत के लिए अभी 428 रन की जरूरत थी। इससे पहले न्यूजीलैंड ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। भारत ए ने पहली पारी में पांच विकेट पर 464 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत की थी। टीम को यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 175 रन की शानदार साझेदारी दिलाई। जायसवाल ने 138 गेंदों पर 16 चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाए, जबकि सुदर्शन ने 215 गेंदों पर 11 चौकों की सहायता से 88 रन की पारी खेली।

इसके बाद तिलक वर्मा ने 164 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। कप्तान ध्रुव जुरेल ने 95 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 71 रन जोड़े। वहीं, वाशिंगटन सुंदर 107 गेंदों पर 50 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ए की ओर से जैक गिब्सन ने दो विकेट लिए।

पडिक्कल रहे भारत ए के शीर्ष स्कोरर आगामी 19 नवंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले भारत ए के बल्लेबाजों का प्रदर्शन सकारात्मक रहा। देवदत्त पडिक्कल तीन मैचों की पांच पारियों में 65.20 की औसत से 326 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया। यशस्वी जायसवाल ने तीन मैचों की पांच पारियों में 69.75 की औसत से 279 रन बनाए। उन्होंने दो शतक लगाए और शुरुआती कुछ पारियों में कम स्कोर के बाद लगातार दो शतक जड़े। साई सुदर्शन ने 46.20 की औसत से 231 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल रहे। कप्तान ध्रुव जुरेल ने चार पारियों में 44.75 की औसत से 179 रन बनाए। उनके नाम एक शतक और एक अर्धशतक रहा। बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले बल्लेबाज यश राठौड़ का प्रदर्शन भी भारत ए के लिए सकारात्मक रहा। उन्होंने दो मैचों में 111.50 की औसत से 223 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। गेंदबाजी में औकिब नबी ने एक मैच में छह विकेट, जबकि मोहम्मद सिराज ने एक मैच में चार विकेट लेकर प्रभावित किया।

बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा एकदिवसीय मैच रद्द

भारत टीम सीरीज में 2-0 से आगे

एजेंसी, हैमिल्टन



भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला लगातार बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। अंपायरों ने मौसम और मैदान की स्थिति का जायजा लेने के बाद मंगलवार को खेल नहीं कराने का फैसला किया। इसके बाद दोनों टीमों के कप्तानों को निर्णय की जानकारी दी गई और खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाकर मुकाबला समाप्त होने की औपचारिकता पूरी की। हालांकि बारिश कुछ देर के लिए जरूर रुकी थी, जिसके बाद टॉस भी हुआ था और भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन इसके बाद बारिश फिर शुरू हो गई। अंपायरों ने काफी इंतजार करने के बाद आखिरकार मैच रद्द करने का फैसला किया। मैच अधिकारियों के अनुसार, लगातार हुई बारिश के कारण मैदान को खेलने लायक बनाने में कम से कम 30 से 40 मिनट का समय लगना था। इसके बावजूद मौसम में सुधार नहीं हुआ और अंततः मुकाबला रद्द करने का फैसला लिया गया। मैच रद्द होने के बाद पांच मैचों की सीरीज में भारत 2-0 से आगे है। इस नतीजे के साथ भारतीय टीम अब सीरीज नहीं हार सकती। न्यूजीलैंड के पास सीरीज बराबर करने का मौका जरूर है, लेकिन इसके लिए उसे बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे।

जापान मास्टर्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं त्रीसा-गायत्री की जोड़ी

ध्रुव कपिला-राधिका शर्मा की चुनौती समाप्त

एजेंसी, कुमामोटो



भारतीय महिला युगल जोड़ी त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने जापान मास्टर्स 2026 के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को कुमामोटो प्रीफेक्चरल जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने जापान की हिनाता सुजुकी और नाओ यामाकिता को सीधे गेमों में हराया। त्रीसा और गायत्री ने पहला गेम 21-17 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने अपना दबदबा बनाए रखा और 21-14 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला 42 मिनट तक चला। इस जीत के साथ दोनों ने प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पुरुष युगल में हरिहरन अमसकरुणन और अर्जुन एमआर को पूर्व विश्व चैंपियन मलेशियाई जोड़ी आरोन चिया और सोह वूई यिक के खिलाफ वॉकओवर मिला। मुकाबले के पहले गेम में भारतीय जोड़ी 11-6 से आगे थी, तभी मलेशियाई खिलाड़ियों ने चोट या अन्य कारणों का उल्लेख किए बिना मुकाबले से हटने का फैसला किया। इससे पहले दिन में मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और राधिका शर्मा को क्वालीफिकेशन दौर में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को अमेरिका की चेन झी यी और फ्रांसेस्का कॉर्बेट ने सीधे गेमों में हराया। पहले गेम में भारतीय जोड़ी ने 8-8 तक कड़ी टक्कर दी। हालांकि, ब्रेक तक अमेरिकी जोड़ी ने 11-9 की बढ़त बना ली और इसके बाद लगातार अंक जुटाते हुए गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरा गेम अधिक संघर्षपूर्ण रहा। भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 14-14 से बराबर कर दिया, लेकिन इसके बाद चेन और फ्रांसेस्का ने लगातार अंक हासिल किए और 21-15 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

विश्व स्कूल गोल्फ चैंपियनशिप में देवव्रत ने जीता कांस्य, भारत पांचवें स्थान पर

19 देशों की टीमों के बीच छह भारतीय खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

एजेंसी, मोरक्को



अंतरराष्ट्रीय स्कूल खेल संगठन (आईएसएसओ) की भारतीय टीम ने मोरक्को में आयोजित विश्व स्कूल गोल्फ चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय गोल्फर देवव्रत ने अंडर-15 वर्ग में कांस्य पदक जीता, जबकि टीम स्पर्धा में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में दुनिया भर की 19 टीमों ने हिस्सा लिया। टैगाजाउट-अगादिर में 2 से 8 नवंबर तक आयोजित इस चैंपियनशिप में भारत की ओर से छह छात्र-गोल्फरों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विभिन्न देशों के युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। देवव्रत का कांस्य पदक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आया। प्रतियोगिता के दौरान तेज हवाओं और लगातार बारिश ने खिलाड़ियों की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। ऐसे हालात में देवव्रत ने शानदार संयम और दृढ़ता का परिचय दिया। उन्होंने फ्रंट नाइन में तीन अंडर पार का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर जगह बनाई। टीम स्पर्धा में भारत का पांचवां स्थान हासिल करना भी महत्वपूर्ण रहा। छह भारतीय खिलाड़ियों को दुनिया की अन्य स्कूल टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अनुभव मिला, जो उनके खेल विकास के लिए उपयोगी साबित होगा। आईएसएसओ की निदेशक आकांक्षा थापाक ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए कहा, "देवव्रत का कांस्य पदक आईएसएसओ और भारतीय स्कूल खेलों के लिए गर्व का क्षण है। आईएसएसओ में हम युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ऐसे अनुभव खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाने, उनके कौशल को निखारने और उन्हें आगे की बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार करने में मदद करते हैं। पूरे भारतीय दल को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई।"

बिजनेस

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली



घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजार में सोना 970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,050 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह चमकीली धातु आज भी सोमवार के भाव पर ही कारोबार कर रही है।

कीमत में बदलाव होने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,560 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,04,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,44,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में आज 24 कैरेट सोना 1,44,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,32,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एनएलएमसी ने प्रयागराज में 11 सरकारी आवासीय फ्लैटों की ई-नीलामी के लिए आरएफपी जारी किया

एजेंसी, नई दिल्ली



राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम (एनएलएमसी) ने प्रयागराज के तीन प्रमुख इलाकों में स्थित 11 सरकारी आवासीय फ्लैटों की ई-नीलामी के लिए प्रस्ताव अनुरोध (आरएफपी) जारी किया है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि एनएलएमसी ने प्रयागराज की तीन प्रमुख जगहों पर स्थित 11 सरकारी आवासीय फ्लैटों की ई-नीलामी के लिए आरएफपी जारी किया है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक ये सभी 11 रेडी-टू-मूव (पूरी तरह से तैयार) फ्लैट प्रयागराज के तीन प्रमुख और स्थापित आवासीय क्षेत्रों में स्थित हैं, जो बुनियादी नागरिक सुविधाओं (जैसे स्कूल, अस्पताल और वाणिज्यिक केंद्रों) से अच्छी तरह जुड़े हुए हैं, जो इस प्रकार है।

जूही हाउसिंग स्कीम (म्यूर रोड)- यहां 2बीएचके (दो बेडरूम) विन्यास वाले कुल 5 फ्लैट उपलब्ध हैं, जिनका बिल्ट-अप एरिया लगभग 107 से 108 वर्ग मीटर है। परिवर्तन हाउसिंग स्कीम (थॉर्नहिल रोड)-यहां 2 बीएचके और 3 बीएचके दोनों प्रकार के कुल 4 फ्लैट उपलब्ध हैं, जिनका बिल्ट-अप एरिया लगभग 106 से 139 वर्ग मीटर के बीच है। अग्निपथ हाउसिंग स्कीम (टी.बी. सप्रू रोड, सिविल लाइंस)- यहां 3 बीएचके विन्यास के 2 फ्लैट उपलब्ध हैं, जिनका बिल्ट-अप एरिया करीब 96 और 112 वर्ग मीटर है। ई-नीलामी प्रक्रिया से जुड़ी मुख्य समय-सीमाएं इस प्रकार हैं- मंत्रालय ने कहा कि आरएफपी 5 नवंबर, 2026 को जारी किया गया है। प्री-बिड बैठक- 20 नवंबर 2026 (सुबह 11:00 बजे) तक। बोलीदाताओं को तकनीकी दस्तावेजों, नियमों और पात्रता शर्तों को समझने के लिए।

पंजीकरण और ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि- 7 दिसंबर, 2026 (शाम 5:00 बजे तक)। नीलामी में भाग लेने के लिए आवश्यक बयाना राशि जमा करना अनिवार्य है। ई-नीलामी की तिथि- 11 दिसंबर, 2026 (सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक)। ये पूरी बोली प्रक्रिया ऑनलाइन डिजिटल पोर्टल के माध्यम से संचालित होगी।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक इच्छुक घर खरीदार, व्यक्तिगत निवेशक या पात्र बोलीदाता विस्तृत पात्रता मानदंड, नियमों और शर्तों के लिए आधिकारिक ई-नीलामी पोर्टल (ई-नीलामी एनिविडा) या एनएलएमसी वेबसाइट पर जा सकते हैं। बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए डिजिटल पोर्टल पर जाकर केवाईसी सत्यापन और पंजीकरण पूरा करना होगा। मंत्रालय ने कहा कि प्रस्तावित ई-नीलामी में प्रयागराज की तीन आवासीय योजनाओं में स्थित 11 तैयार आवासीय फ्लैट शामिल हैं। इनमें संभावित खरीदारों के पास दो-बेडरूम और तीन-बेडरूम वाले आवासीय यूनिट चुनने का विकल्प होगा। ये संपत्तियां ऐसे सुस्थापित आवासीय इलाकों में स्थित हैं, जहां से शैक्षणिक संस्थान, स्वास्थ्य सुविधाएं, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं।

डीजीटीआर ने चीन, मलेशिया और वियतनाम से एल्युमीनियम उत्पादों की डंपिंग की शुरू की जांच

एजेंसी, नई दिल्ली



वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने चीन, मलेशिया, वियतनाम और थाईलैंड से एल्यूमीनियम उत्पादों की कथित डंपिंग के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की है। डीजीटीआर की अधिसूचना के अनुसार भारत इन देशों से होने वाले सस्ते आयात से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की इकाइयों को बचाना चाहता है। डीजीटीआर की 9 नवंबर को जारी अधिसूचना के मुताबिक उसे एल्युमीनियम एक्सट्रूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलेमाई) से अभ्यावेदन मिले हैं। यह संगठन 'एल्युमीनियम एक्सट्रूजन प्रोफाइल, स्ट्रक्चर और उत्पादों' के 228 विनिर्माताओं का प्रतिनिधित्व करता है। महानिदेशालय ने कहा कि डंपिंग के जरिये आयात में उल्लेखनीय वृद्धि से घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है। आमतौर पर, घरेलू उत्पादकों की ओर से आवेदन दाखिल किए जाने के आधार पर डीजीटीआर डंपिंग-रोधी जांच को शुरू करता है। हालांकि, उद्योगों के पास अक्सर व्यापार उपचार जांच के लिए जरूरी जानकारी एवं विशेषज्ञता नहीं होती है। ऐसे में निदेशालय स्वतः पहल कर इन मामलों की जांच करता है। जांच के दायरे में आने वाले उत्पादों का इस्तेमाल औद्योगिक, परिवहन, बिजली और इंजीनियरिंग से जुड़े कई क्षेत्रों में होता है।

शेयर बाजार में आज दिवाली-बलिप्रतिपदा की छुट्टी, एमसीएक्स पर शाम के सत्र में होगा नियमित कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली । दिवाली-बलिप्रतिपदा के त्यौहार के मौके पर आज घरेलू शेयर बाजार में छुट्टी है। आज की छुट्टी के कारण देश के दोनों प्रमुख शेयर बाजार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में कोई कामकाज नहीं हो रहा है। बीएसई और एनएसई द्वारा जारी आधिकारिक छुट्टियों की सूची के अनुसार, आज पूरे दिन नियमित ट्रेडिंग सत्र पूरी तरह से बंद रहेंगे। मतलब पूरे दिन शेयर बाजार में कोई काम-काज नहीं होगा। आपको बता दें कि शेयर बाजार में सामान्य रूप से हर सप्ताह शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश रहता है, लेकिन कुछ विशेष सार्वजनिक त्यौहारों और राष्ट्रीय पर्व के मौके पर भी बाजार में छुट्टी रखी जाती है। इसी क्रम में आज त्यौहार की रौनक के बीच दोनों एक्सचेंजों के इक्विटी और डेरिवेटिव्स सहित सभी प्रमुख वित्तीय सेगमेंट में कारोबार पूरी तरह थमा हुआ है। हालांकि कमोडिटी सेगमेंट में शाम के सत्र का कारोबार सामान्य दिनों की तरह ही होगा। आज के इस विशेष अवकाश के दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी डेरिवेटिव्स, ब्याज दर डेरिवेटिव्स, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स और न्यू डेट सेगमेंट सहित सभी प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेडिंग नहीं की जा रही है। इसी तरह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में भी इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी डेरिवेटिव्स और ट्राई पार्टी रेपो के लिए पूरी तरह से हॉलिडे है।

जेन्सन हुआंग फोर्ब्स की लिस्ट में एक पायदान खिसक कर 10वें नंबर पर

एजेंसी, नई दिल्ली



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसेन हुआंग इन दिनों अपनी निजी जिंदगी और चीनी जासूसी कांड के कारण काफी चर्चा में हैं। चीनी महिला से अफेयर की खबरों के बाद हुआंग फोर्ब्स की लिस्ट में एक पायदान खिसककर 10वें नंबर पहुंच गए हैं। फोर्ब्स की ओर से जारी सूची के मुताबिक 9 नवंबर को अमेरिकी शेयर बाजार में कारोबार शुरू होने के पहले आधे घंटे में ही हुआंग की कुल संपत्ति घटकर 154.7 अरब डॉलर रह गई। चीनी महिला से अफेयर की खबरों के बाद हुआंग फोर्ब्स की सूची में एक पायदान खिसककर 10वें नंबर पहुंच गए हैं। फोर्ब्स की जारी ताजा सूची के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 6.80 अरब डॉलर घटकर 155.4 अरब डॉलर हो गई है। भारतीय मुद्रा रूपये में यह 63 हजार करोड़ रुपये कम होकर 14.32 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इसके साथ ही दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में वह आठवें स्थान से खिसक कर 10वें नंबर पर पहुंच गए। अब वॉरेन बफेट और ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन भी उनसे आगे निकल गए हैं। इससे पहले 6 नवंबर को भी उनकी संपत्ति में बड़ी गिरावट दर्ज हुई थी। जेनसेन हुआंग की नेटवर्थ में यह गिरावट कंपनी के शेयरों में आई बिकवाली के कारण हुई है। कंपनी का शेयर 7.97 डॉलर यानी 4.27 फीसदी की गिरावट के साथ 178.67 डॉलर पर बंद हुआ है। कारोबार के दौरान ये 8 फीसदी से ज्यादा गिरकर 170 डॉलर के करीब आ गया था। हालांकि, बाद में इसमें रिकवरी आई है।



सूर्या की सीन बनी 2026 की कॉलीवुड की तीसरी बड़ी ओपनर, तोड़ा करुप्पु का रिकॉर्ड

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार सूर्या की नई अपराध रहस्य फिल्म सीन सिनेमाघरों में रिलीज होते ही दर्शकों के बीच छा गई है। फिल्म को दर्शकों और प्रशंसकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। मजबूत मौखिक प्रचार का फायदा फिल्म को पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर मिला है। फिल्म ने दुनियाभर में 34.60 करोड़ रुपये की कमाई कर शानदार शुरुआत की है। इसके साथ ही यह वर्ष 2026 में तमिल फिल्म उद्योग (कॉलीवुड) की तीसरी सबसे बड़ी शुरुआती कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। जीतू माधवन के निर्देशन में बनी सीन ऐसे समय सिनेमाघरों में आई है, जब जेलर-2 और रामायण जैसी बड़ी फिल्मों को लेकर भी चर्चा है। इसके बावजूद सूर्या की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। फिल्म ने पहले दिन सूर्या की ही इस वर्ष रिलीज हुई फिल्मों करुप्पु और विश्वनाथ एंड सन्स की शुरुआती कमाई का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। कोईमोई की रिपोर्ट के अनुसार, सीन ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 19.15 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, भारत में फिल्म का कुल सकल कारोबार 22.60 करोड़ रुपये रहा। विदेशों में फिल्म ने 12 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह फिल्म की पहले दिन की दुनियाभर की कुल कमाई 34.60 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। फिल्म ने वर्ष 2026 में रिलीज हुई तमिल फिल्मों के शुरुआती कारोबार के मामले में तीसरा स्थान हासिल किया है। इसने इस साल की सात बड़ी फिल्मों के पहले दिन की कमाई के आंकड़ों को भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म सीन में सूर्या ने अपराध शाखा के निरीक्षक इनबरज का किरदार निभाया है। कहानी के अनुसार, इनबरज अपनी नौकरी से इस्तीफा देना चाहता है, लेकिन उसका वरिष्ठ अधिकारी उसे इसकी अनुमति नहीं देता, क्योंकि वह पूरी टीम के सबसे काबिल अधिकारियों में शामिल है। इसी बीच, इनबरज की ओर से पहले की गई एक जांच सवालों के घेरे में आ जाती है। इसके बाद कहानी में रहस्य और रोमांच बढ़ता जाता है। फिल्म में अपराध, जांच और रहस्यमयी घटनाओं के जरिए दर्शकों को बांधे रखने की कोशिश की गई है। पहले दिन के शानदार कारोबार ने सूर्या के करियर में सीन को एक खास मुकाम दिला दिया है। अब फिल्म की आगे की कमाई पर सबकी नजरें टिकी हैं।

रामायण का दुनियाभर में डंका, 2 दिन में 220 करोड़ रुपये के पार पहुंची कमाई

2 दिनों में विदेशों से 86.25 करोड़ रुपये की हुई कमाई

रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश स्टारर फिल्म रामायण इन दिनों काफी चर्चा में है. फिल्म की रिलीज को लेकर काफी बज बना हुआ है. ये एक के बाद एक रिकॉर्ड्स भी बॉक्स ऑफिस पर बना रही है. फिल्म जबसे सिनेमाघरों में आई है तभी से ये छाई हुई है. इसे दर्शकों से अच्छा खासा रिस्पांस मिल रहा है. स्ट्रॉन्ग वर्ड ऑफ माउथ का फायदा फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर मिल रहा है. ऐसे में इसने अब दुनियाभर में अपना तांडव दिखाया है. नितेश तिवारी की रामायण की रिलीज को तीन दिनों का वक्त हो गया है और फिल्म अपने पहले शनिवार को भी बंपर कमाई कर रही है और माना जा रहा है कि ये तीसरे दिन फर्स्ट डे का रिकॉर्ड तोड़ सकती है. खैर, फिल्म ने दो दिनों में ही वर्ल्डवाइड 200 करोड़ की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है. चलिए बताते हैं कलेक्शन. रामायण को सिनेमाघरों में 5 नवंबर, 2026 को रिलीज किया गया था. फिल्म को लेकर काफी बज था और कोईमोई के अनुसार, इसका इंडिया नेट कलेक्शन 65 करोड़ था. जबकि फिल्म ने वर्ल्डवाइड पहले दिन 127.7 करोड़ का बिजनेस किया था. फिल्म ने ग्लोबल मार्केट में 100 करोड़ की ओपनिंग के साथ ही बड़ा धमाका कर दिया था. रामायण की दुनियाभर में कुल कमाई 221.05 करोड़ रुपये और भारत में 134.8 करोड़ रुपये हो गई है। घरेलू कमाई में फिल्म के हिंदी वर्जन ने सबसे ज्यादा योगदान दिया। इसने दूसरे दिन 19,859 शो से 35.5 करोड़ रुपये कमाए, वहीं कन्नड़ वर्जन ने 904 शो से 5.15 करोड़ रुपये और तेलुगू वर्जन ने 1,530 शो से 4.75 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म ने 2 दिनों में विदेशों से 86.25 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही रामायण अब रणबीर कपूर के करियर की छठी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन चुकी है. कोईमोई के अनुसार, इसने बर्फी, तू झूठी मैं मक्कार और राजनीति समेत तमाशा का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है. गौरतलब है कि नितेश तिवारी की फिल्म रामायण को लेकर अच्छा खासा बज बना हुआ है. कोईमोई में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म को लेकर माना जा रहा है कि ये तीसरे दिन यानी कि पहले सैटरडे को बॉक्स ऑफिस पर 70 करोड़ का सॉलिड कलेक्शन कर सकती है, अगर ऐसा होता है तो ये फर्स्ट से भी ज्यादा होने वाला है.



शनाया कपूर की स्टूडेंट ऑफ द ईयर : आफ्टर डार्क का ट्रेलर जारी, रहस्य और रोमांच से भरपूर होगी कहानी

करण जौहर की चर्चित फिल्म फ्रेंचाइजी स्टूडेंट ऑफ द ईयर अब नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने जा रही है। इस फ्रेंचाइजी पर आधारित नई वेब सीरीज स्टूडेंट ऑफ द ईयर : आफ्टर डार्क का रोमांचक ट्रेलर जारी कर दिया गया है। सीरीज में शनाया कपूर दोहरी भूमिका में नजर आएंगी। कहानी रहस्य, अपराध, दोस्ती और साजिश के इर्द-गिर्द घूमती है। धर्मांटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी यह सीरीज 13 नवंबर से जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगी। फिल्म निर्माता करण जौहर ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर फ्रेंचाइजी के 14 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इस नई सीरीज की घोषणा की थी। इसके साथ ही उन्होंने शनाया कपूर का पहला लुक भी जारी किया था। अब ट्रेलर सामने आने के बाद सीरीज की कहानी को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।



करण जौहर ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा कि सेंट टेरेसा हेरिटेज स्कूल में एक नए दौर की शुरुआत हो रही है, लेकिन यहां सच्चाई के जितना करीब पहुंचेंगे, खतरा उतना ही बढ़ता जाएगा। सीरीज की कहानी उसी सेंट टेरेसा हेरिटेज स्कूल पर आधारित है, जिसे फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों में दिखाया गया था। हालांकि, इस बार स्कूल का माहौल पहले की तरह केवल चमक-दमक और मनोरंजन से भरा नहीं है, बल्कि यहां रहस्य, अपराध और खतरनाक साजिशों का जाल बिछा हुआ है। ट्रेलर की शुरुआत स्कूल के विद्यार्थियों की एक पार्टी से होती है। इसी दौरान शनाया कपूर के किरदार आयशा मलिक की झलक दिखाई जाती है, जिसकी रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो जाती है। बाद में उसका शव बाराखली झील में मिलता है।

आयशा की मौत की खबर से उसका परिवार टूट जाता है। इसके बाद कहानी में उसकी जुड़वा बहन अदिति की एंट्री होती है। अदिति अपनी बहन की मौत का सच जानने के लिए सेंट टेरेसा हेरिटेज स्कूल में दाखिला लेती है। वह आयशा के दोस्तों से मिलती है और उनकी जिंदगी से जुड़े रहस्यों को समझने की कोशिश करती है। आयशा के मित्रों के समूह में चार खास किरदार हैं, जिनमें ईर्ष्यालु सहेली, ठुकराया हुआ प्रेमी, रहस्यमयी साथ रहने वाला मित्र और जरूरत से ज्यादा आदर्श दिखने वाला प्रेमी शामिल हैं। अदिति को धीरे-धीरे एहसास होने लगता है कि ये सभी लोग उससे कुछ छिपा रहे हैं। ट्रेलर में कहानी उस समय और रहस्यमयी हो जाती है, जब आयशा का एक दोस्त अदिति को जल्द से जल्द स्कूल छोडने की चेतावनी देता है। इसी बीच अदिति को एक गुप्त बैज मिलता है और उसे पता चलता है कि सेंट टेरेसा में स्टूडेंट ऑफ द ईयर नाम से एक गुप्त प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थी विशेष पोशाक पहनते हैं। प्रतियोगिता का स्वरूप बेहद खतरनाक नजर आता है और इसमें हारने वालों के लिए परिणाम जानलेवा हो सकते हैं। इस तरह अदिति अपनी बहन की मौत के पीछे छिपे रहस्य और स्कूल में चल रही साजिश के बीच फंस जाती है।

धर्मांटिक एंटरटेनमेंट के निर्माण और रीमा माया के निर्देशन में बनी इस सीरीज में शनाया कपूर के अलावा अभिनव सिंह, दिविक शर्मा, मान्या ग्रोवर, दीया दमानी, आदि मलिक, शीबा चड्ढा और विवेक गोम्बर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। स्टूडेंट ऑफ द ईयर : आफ्टर डार्क के जरिए लोकप्रिय फ्रेंचाइजी को एक नए और गंभीर रूप में पेश किया जा रहा है। सीरीज में दोस्ती, दुश्मनी, प्रेम और प्रतिस्पर्धा के पीछे छिपे रहस्यों को उजागर किया जाएगा। दर्शक 13 नवंबर से जियोहॉटस्टार पर इसके सभी रोमांचक घटनाक्रम देख सकेंगे।

करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन की दायरा नेटफ्लिक्स पर मचाएगी धमाल

निर्देशक मेघना गुलजार की अपराध-कहानी पर आधारित फिल्म दायरा अब सिनेमाघरों के बाद ओटीटी मंच पर दस्तक देने जा रही है। करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत यह फिल्म 13 नवंबर से नेटफ्लिक्स पर दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी। फिल्म 18 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन इसे दर्शकों की अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। अब देखना होगा कि डिजिटल मंच पर फिल्म को कितनी सफलता मिलती है। फिल्म में करीना कपूर ने पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अजूनी कोहली की भूमिका निभाई है, जबकि पृथ्वीराज सुकुमारन पुलिस उपायुक्त रमन कुमार के किरदार में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक सनसनीखेज दुष्कर्म और हत्या के मामले के इर्द-गिर्द बुनी गई है। दायरा में दोनों पुलिस अधिकारी कहानी के मुख्य किरदार हैं, लेकिन न्याय को लेकर उनके विचार एक-दूसरे से अलग हैं। एक कथित मुठभेड़ के बाद दोनों के रास्ते टकराते हैं और यहीं से कहानी में नया मोड़ आता है। फिल्म में अपराध, पुलिस जांच, न्याय और कानून के बीच टकराव को दिखाया गया है। मेघना गुलजार अपनी फिल्मों में गंभीर और संवेदनशील विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने के लिए जानी जाती हैं। दायरा में भी उन्होंने अपराध और न्याय व्यवस्था से जुड़े एक गंभीर विषय को पर्दे पर उतारने की कोशिश की है। सिनेमाघरों में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद अब फिल्म के निर्माता और कलाकारों को ओटीटी पर बेहतर प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।



थलपति विजय को 35 करोड़ की दुकानों वाली प्रॉपर्टी मामले में मिली बड़ी जीत

हाल ही में मद्रास हाईकोर्ट से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को प्रॉपर्टी के एक मामले में बड़ी जीत मिली है। मद्रास हाईकोर्ट में एक चुनाव याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि अभिनेता से राजनेता बने विजय ने 12 फरवरी, 2026 को 23,460 वर्ग फुट के निर्मित क्षेत्र वाली एक कमर्शियल इमारत को 35 करोड़ रुपये में बेच दिया। हालांकि, हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट के इस फैसले से उस संपत्ति पर अभिनेता का दावा बरकरार रहा है और इसके साथ ही लंबे समय से चल रहा कानूनी विवाद भी खत्म हो गया है। वहीं, इस याचिका से जुड़ी अलग कार्यवाही जारी है। 'द चेनाब टाइम्स' की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले में जमीन आवंटन को लेकर कुछ आरोप लगाए गए थे। याचिकाकर्ता ने मद्रास हाई कोर्ट में दावा किया था कि अभिनेता से राजनेता बने विजय ने एक ऐसा लेन-देन किया है, जो जमीन आवंटन की शर्तों के खिलाफ है। यह कानूनी विवाद मद्रास हाईकोर्ट में दायर एक याचिका से शुरू हुआ। याचिकाकर्ता का आरोप था कि विजय ने 23,460 वर्ग फुट के निर्मित क्षेत्र वाली एक कमर्शियल बिल्डिंग को 35 करोड़ रुपये में बेची है। याचिकाकर्ता के दावे के अनुसार, यह बिक्री 12 फरवरी, 202 इस विवाद का मुख्य बिंदु यह है कि क्या यह बिक्री उन शर्तों का उल्लंघन है, जिनके तहत तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड ने शुरू में यह जमीन अभिनेता को आवंटित की थी। 6 को होनी थी। तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड एक वैधानिक निकाय है, जिसे हाउसिंग योजनाएं चलाने और जनता को आवास सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्थापित किया गया है। यह तमिलनाडु सरकार के आवास और शहरी विकास विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है। बोर्ड का काम जमीन का अधिग्रहण करना, बुनियादी ढांचा विकसित करना और व्यक्तियों तथा संस्थानों को आवंटित करने के लिए आवासीय और कमर्शियल संपत्तियों का निर्माण करना है। यह अक्सर विभिन्न सामाजिक-आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाई गई योजनाओं के माध्यम से किया जाता है।



रूखे बालों से परेशान हैं? इन 5 प्राकृतिक तरीकों से पाएं छुटकारा

अगर आपके बाल रूखे और बेजान हो गए हैं तो आपको घुंघराले बालों के लिए खास देखभाल की जरूरत है। यह लेख आपको कुछ प्राकृतिक और सरल तरीकों की जानकारी देगा, जिन्हें अपनाकर आप अपने घुंघराले बालों को नमी दे सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं। इन उपायों से आपके बाल न केवल मुलायम बनेंगे, बल्कि उनमें चमक भी आएगी और वे टूटने से भी बचेंगे। प्राकृतिक उपायों से आप अपने बालों की देखभाल कर सकते हैं। नारियल तेल घुंघराले बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह बालों को गहराई से पोषण देता है और उन्हें मुलायम बनाता है। रात को सोने से पहले नारियल तेल को हल्का गर्म करके अपने सिर पर लगाएं और अच्छे से मालिश करें। सुबह उठकर बालों को शैंपू से धो लें। इससे आपके बाल नमी से भरपूर रहेंगे और टूटने की संभावना कम होगी। नियमित रूप से



इस उपाय का इस्तेमाल करें ताकि आपके बाल स्वस्थ रहें। एवोकाडो में विटामिन और जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो बालों को मजबूती देते हैं। एक पका हुआ एवोकाडो लेकर उसे मैश कर लें और उसमें थोड़ा सा शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपने सिर पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें, फिर शैंपू से धो लें। यह मास्क आपके बालों को गहराई से पोषण देगा और उन्हें मुलायम बनाएगा। एवोकाडो के नियमित उपयोग से आपके बालों में नमी बनी रहेगी और वे टूटने से बचेंगे।एलोवेरा जेल बालों की जड़ों को मजबूत करता है और उन्हें नमी प्रदान करता है। एक कप पानी में दो चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर इसे अपने सिर पर स्प्रे करें, फिर हल्के हाथों से मालिश करें। 15 मिनट बाद बालों को धो लें। यह उपाय आपके बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेगा और उन्हें टूटने से बचाएगा। एलोवेरा जेल का नियमित उपयोग आपके बालों को गहराई से पोषण देगा और उन्हें मुलायम बनाएगा। शहद प्राकृतिक नमी देने वाला होता है जबकि जैतून का तेल बालों को पोषण देता है। दोनों को मिलाकर अपने सिर पर लगाएं और 20 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद बालों को शैंपू से धो लें। यह मिश्रण आपके बालों को मुलायम बनाएगा और उनमें चमक लाएगा। नियमित रूप से इस उपाय का उपयोग करने से आपके बाल स्वस्थ रहेंगे और टूटने की संभावना कम होगी। इस उपाय से आपके बालों की देखभाल भी होगी। गुनगुना पानी बालों की जड़ों तक नमी पहुंचाता है, जिससे वे स्वस्थ रहते हैं। ठंडे या गर्म पानी का उपयोग करने से बचें क्योंकि इससे बाल रूखे हो सकते हैं। गुनगुने पानी से नहाने से बालों में नमी बनी रहती है और वे टूटने से बचते हैं। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपने घुंघराले बालों की प्राकृतिक देखभाल कर सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं।

BRIFF NEWS

Delhi pollution on Diwali rockets to worst in 5 years



New Delhi, Agency: Delhi saw its most polluted Diwali day in five years, with AQI touching 376 at 4pm Nov 8, the worst since 2021. The city, however, narrowly escaped its worst post-Diwali pollution day in five years, with Monday's AQI touching 370 at 11am before improving to 344 by 4pm, better than 2025's post-Diwali air quality.

Diwali AQI in 2025 (Oct 20) was 345, 328 in 2024 (Oct 31), 218 in 2023 (Nov 12), 312 in 2022 (Oct 24) and 382 in 2021 (Nov 4). Post-Diwali AQI in 2025 was 351, 339 in 2024, 358 in 2023, 303 in 2022 and 462 in 2021. Diwali-eve this year, Nov 7, was the most polluted since 2016, with AQI of 369.

Meanwhile, several monitoring stations failed to report crucial AQI data. Initially, hourly data went missing for 35 air quality monitoring stations. Although DPCC later updated data at some of its stations, several went blank at peak pollution hours, and only 47 contributed to average AQI on Diwali day. Delhi has 60 monitoring stations managed by DPCC, CPCB, IITM and IMD, of which one had been defunct for a few months.

Firecrackers emerged as the biggest contributor a day before Diwali (Chhoti Diwali), accounting for 41.1% of the total load, according to IITM data till 9am Nov 8.

Lawyers' boycott makes man stay in jail despite bail



New Delhi, Agency: The accused in an abetment of suicide case who got bail from Supreme Court after spending one year in custody had to stay in jail for another one and a half months as lawyers refused to represent him before the trial court in Baghpat in Uttar Pradesh, which was to pass a formal order to release him and impose terms and conditions for the same.

Terming the case "very unusual" and "very disturbing" given that its order had remained unimplemented and the accused was in illegal detention for one and a half months, a bench of Justices J B Pardiwala and Manmohan directed the jail superintendent to release the man immediately on obtaining a personal bond of Rs 10,000 from him.

The accused was arrested in Sept last year and granted bail by SC on Sept 28 this year subject to the terms and conditions that the trial court deemed fit and proper to impose. But the court order could not be enforced as advocates refused to represent him in the trial court, probably because the victim in the case was the child of a local lawyer. Alleging the SC's order was being stonewalled by the local bar association by preventing any lawyer from representing him, the accused again knocked on SC's door, seeking its intervention.

Ahead of peace talks, Zelenskyy seeks PM Modi's help on ceasefire

New Delhi, Agency: Ahead of the Abu Dhabi peace talks, PM Narendra Modi and Ukraine President Volodymyr Zelenskyy spoke Monday, with the latter briefing PM about the latest developments related to the Russia-Ukraine conflict and Modi conveying India's "firm commitment" to contributing in every possible way towards a peaceful resolution of the war.

The conversation took place a day before the trilateral peace dialogue involving Russia, Ukraine and the US in Abu Dhabi, and amid renewed Russian strikes on Ukraine's energy infrastructure. Ahead of the talks, where India's recent peace proposals are likely to be discussed too, India remained engaged with both sides on diplomatic initiatives as foreign minister S Jaishankar too spoke to his Russian counterpart Sergey Lavrov. Zelensky recalled Modi's latest peace message to Russian President Vladimir Putin that it was time now to end the "endless war" and urged India to take more steps



towards a ceasefire that can ensure food and energy security.

Prime Minister Narendra Modi said on X that he and Ukraine President Volodymyr Zelenskyy had a productive conversation - their first since they met on the margins of the G7 summit in France in June.

Modi's message to Zelenskyy expressing India's readiness to facilitate peace is not new, but its timing is significant as this was the first time they spoke after Jaishankar revealed in early Oct that India was actively mediating for the establishment of safe corridors in the Black Sea for grain and energy exports. "We reviewed our wide-ranging bilateral cooperation and agreed to further strengthen India-Ukraine ties. I thanked Zelensky for sharing his perspectives on the ongoing conflict, its humanitarian aspects and various efforts to restore peace," said Modi.

Ukraine believes Russia has not responded positively to India's Black Sea shipping proposal and the call to end targeting of its energy sector. "The PM has said more than once, including directly to the Russian leader, that now is the time to end the war, not to continue it," said Zelenskyy on X after his talks with Modi, urging India to identify steps it can take and also talks it can pursue with other leaders to bring the conflict to an end. "Food security could be one such area. We discussed Russia's blocking of grain exports via the Black Sea.

Chinese nationals stream from poor localities of Dhaka, claim those are in Delhi

New Delhi, Agency The setting is Dhaka, but the audience in China is told it is Delhi. An estimated total of over 150 Chinese nationals have been livestreaming from an underprivileged neighbourhood in Dhaka, falsely presenting it to their viewers back home as everyday life in India, an investigation by the Bangladeshi newspaper Prothom Alo revealed.

Equipped with two smartphones each - one used to stream live and the other with scripts - they broadcast from early morning until late at night. According to the report,



the streamers focus on Sector 12 and Tekpara, which are dense, low-income settlements along a canal in Uttara town, located north of Dhaka, where they film along the tin-roofed houses. Local guides, hired for Tk 700 to Tk 800 (Rs 525-Rs 600) a day, assist the Chinese nationals in navigating the area.

While most of these creators refused to speak to Prothom Alo, some only gave their names and nationality. A Chinese national named Fangyou, after being persuaded by a guide, said that such streams are broadcast on China-based platforms such as WeChat and Douyin (the mainland version of TikTok) as "part of product promotion activities".

Google translations of their commentary, verified by four Bangladeshis who know Chinese, revealed misrepresentation. In one instance, a Chinese woman identifying herself as Mianmian showed the tin huts and said, "This is Delhi. Their homes are extremely dirty... and the law-and-order situation is poor." At a bridge flanked by tea stalls, another creator named Wang Wei could be heard telling his audience that locals were drinking "cow urine tea" prepared with contaminated river water.

Arpita Singh, celebrated artist who painted real women, dies at 89

New Delhi, Agency: Some critics dubbed her the female M F Husain while others saw echoes of Marc Chagall in her gravity-defying figures. But neither comparison does justice to the distinctive visual language of Arpita Singh, a pioneering post-Independence artist who died in Delhi on Monday at the age of 89.She looked like the friendly aunty next door, but her canvases were another matter. In one famous painting titled Devi Pistol Wali, a many-armed Durga holds a saree pallu, flowers and fruit, while another hand aims a revolver. My Lily Pond's serenity is shattered by toy soldiers. Across her can-



vases, the macabre and the mundane, fantasy and reality, share space.

When this reporter met her at a Vadehra Art Gallery show some years ago, she had been poring over old maps and architectural drawings, studying the stars and solving crosswords. "I gather things on canvas. When I finish gathering, I start painting," she said.

Delhi Police issues notice to Mamata Banerjee as witness in 2013 protest case

New Delhi, Agency: Delhi Police on Monday served a notice to former West Bengal chief minister Mamata Banerjee, asking her to record her statement in connection with a 2013 case involving a confrontation with police, news agency Media reported, citing sources.

The notice was issued to Mamata as a witness and not as an accused, the sources said.

The notice has been issued to record her statement as part of the investigation, they added.

The case relates to an incident in April 2013, when Mamata, accompanied by a delegation of Trinamool ministers and MPs, visited Delhi to protest against the alleged assault on then West Bengal finance minister Amit Mitra by members of the Students' Federation of India



(SFI). The delegation staged a protest near the then Planning Commission headquarters on Sansad Marg. A confrontation reportedly broke out between Mamata and Delhi Police personnel after the latter tried to restrict the delegation's movement, citing security concerns and prohibitory orders. During the confrontation, Mamata reportedly told police that she was a "Lok Policy Representative (LIP)" and not a VIP, saying she had come to the national capital to fight for people's rights.

Adult vaccination remains low; elderly miss cover against flu and shingles

New Delhi, Agency: Despite vaccines being available to prevent several infections that can be particularly serious for older people, adult immunisation remains low in India. Influenza, pneumococcal disease and shingles are among the key vaccine-preventable illnesses that pose a risk to older people, but studies point to poor awareness and low uptake of these vaccines. Ahead of World Immunisation Day Tuesday (Nov 10), the findings highlight a significant gap in protection beyond childhood.

A multicentre study of 4,998 people aged 60 and above across Chennai, Ballabgarh, Kolkata and Pune found only 1.4% had ever received an influenza vaccine. While just 19.7% had heard of influenza, 35.9% considered vac-



cines safe and 65.3% were unwilling to pay for vaccination. However, uptake rose to 29.7% when vaccines were offered free of cost at community health camps.

Published in 'BMC Public Health' in 2026, the study highlights gaps in awareness, acceptance and access to vaccination among older people.

The disease burden is substantial. A separate study published in 'Influenza and Other Respiratory Viruses' in April 2026 estimated that influenza among Indians aged 60 and above accounted for 5.3 million respiratory infections, 36,149 hospitalisations and 84,613 deaths in 2021. The researchers found that an annual influenza vaccination programme for older adults could be cost-effective under most of the scenarios assessed.

"Influenza and pneumococcal infections cause a significant burden among older Indians, accounting for an estimated 1.2 lakh deaths annually. Studies show that influenza vaccination can reduce influenza-associated pneumonia cases by 52% and deaths by 70%, while pneumococcal vaccination can lower hospitalisations by around 27% and deaths by 34%.

SC: Govt has wide powers to compulsorily retire staffer, improve efficiency

New Delhi, Agency: Supreme Court has ruled govt has wide powers to compulsorily retire an employee to improve efficiency of administration and that the person aggrieved cannot challenge such a decision on the ground that other similarly placed employees have not met the same fate.

Upholding Chhattisgarh govt's decision to compulsorily retire five employees, a bench of Justices Manmohan and Shree Chandrashekhar said the principle of "every person must be heard before being punished", as enshrined in Article 311(2) of Constitution, is not applicable to cases of compulsory retirement because it is neither punitive nor casts aspersion upon an employee's conduct.

Justice Manmohan said, "The decision is founded upon the subjective satisfaction of competent authority that the employee's continued retention in service is no longer conducive to public interest." Writing the judgement, Justice Manmohan said, "The ultimate assessment as to whether an officer has become 'dead wood' or whether his continuance would be detrimental to administrative efficiency falls within the domain of



the executive." Chhattisgarh additional advocate general Rajat Nair said decisions to compulsorily retire the five 'assistant' grade officers was arrived at in public interest for maintaining efficiency of administration after a two-tier scrutiny of their performance, efficiency, track records, integrity and annual confidential records.

When such decisions are challenged by aggrieved employees, courts need to re-appreciate or re-evaluate material considered by authorities. "The court is concerned only with whether relevant material existed, whether such material was taken into consideration by competent authority, and whether the conclusion drawn therefrom is one which a reasonable person could have arrived at," it said while rejecting the appeals.

It said, "The power to compulsorily retire a govt servant under applicable service rules is of wide amplitude and is conditional principally by the requirement that the authority must form its opinion bona fide and upon relevant material. Mere fact that another officer, who may appear similarly placed, was not compulsorily retired cannot constitute a valid defence to an otherwise lawful order of compulsory retirement."

Bihar govt bans firecrackers, private boat operations near ghats ahead of Chhath Puja

New Delhi, Agency: The Bihar government on Monday stepped up safety preparations for Chhath Puja, directing district administrations to impose a ban on firecrackers near ghats and prohibit private boat operations during the four-day festival from November 13 to 16.

The disaster management department asked district magistrates to identify vulnerable riverbanks, barricade unsafe ghats and deploy adequate security personnel and volunteers to manage crowds.

"Authorities must ensure the availability of trained divers, swimmers, motorboats and life-saving equipment at river ghats to deal with emergencies. Medical teams, ambulances and Quick Medical Response Teams (QMRTs) have also been asked to remain on standby," the statement read.

The department has stressed the need for adequate lighting at ghats and approach roads, round-the-clock operation of district control rooms and regular public announcements



through loudspeakers. Electrical installations must be inspected before the festival to prevent electrocution.

District administrations have also been directed to draw up disaster management and communication plans to prevent panic and stampedes. Coordination meetings with Chhath committees and continuous monitoring of arrangements have been made part of the safety measures. Chhath Puja will begin on November 13 with the 'Nahai Khai' ritual and conclude on November 16.

The festival is observed on the sixth day of the Hindu month of Kartik, six days after Diwali. Devotees worship the Sun God and Chhathi Maiya, seeking blessings for the health, well-being and prosperity of their families.